स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम

(नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

परिकल्पना एवं पाठ्यक्रम लक्ष्य

हिन्दी भाषा, साहित्य और विमर्श के क्षेत्र में पारंपरिक और नए क्षितिजों का अन्वेषण, परिशीलन एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। प्राथमिक कक्षाओं से उच्च कक्षाओं तक राज्य, राष्ट्र एवं अंतर राष्ट्रीय स्तर तक हिन्दी अध्ययन-अध्यापन हेतु प्रशिक्षित युवाओं/युवतियों के रोजगारपरक लक्ष्यों को समर्पित पाठ्यक्रम की बहुविध संभावनाएँ हैं। इसी तरह जनसंचार के विविध क्षेत्रों जैसे-प्रिन्ट मीडिया, दृश्य मीडिया, धारावाहिक एवं पटकथा लेखन के विविध क्षेत्रों में रोजगार की आवश्यकताओं की दृष्टि से भी यह पाठ्यक्रम उपयोगी होगा। उद्देश्यों को निम्न बिन्दुओं द्वारा सरलतापूर्वक समझा जा सकता है :

1- हिन्दी साहित्य के माध्यम से गौरवशाली परंपरा, संस्कृति और इतिहास का अध्ययन।
2- हिन्दी भाषा और साहित्य के सौन्दर्यपरक और विचारपकर क्षितिजों की समझ का अध्ययन।
3- विस्तृत होती लोक आस्थाओं, सांस्कृतिक स्मृतियों का अध्ययन।
4- हिन्दी अध्यापन के विविध क्षेत्रों हेतु दक्ष और पेशेवर युवक-युवतियों का प्रशिक्षण।
5- प्रिन्ट और विजुअल मीडिया की रोजगारपरक आवश्यकताओं के लिए प्रशिक्षण।
6- रचनात्मक एवं स्वाधीन लेखन संसार एवं पटकथा तथा विज्ञापन लेखन हेतु दक्ष युवाओं-युवतियों का प्रशिक्षण।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पहले वर्ष में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थी स्नातक उपाधि होने चाहिए।

- उच्च शिक्षा का यह चतुर्थ वर्ष कहलाएगा।
- स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष में न्यूनतम 52 क्रेडिट अर्जित करने पर छात्र/छात्राओं को उत्तीर्ण किया जायेगा।
- स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय दोनों वर्षों में न्यूनतम 52 एवं 48 क्रेडिट अर्जित करने वाले उत्तीर्ण विद्यार्थी को मुख्य विषय (मेजर) में स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जायेगी।
- स्नातकोत्तर में एक ही मुख्य विषय (मेजर) होगा।
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम सी0बी0सी0एस0 एवं सेमेस्टर प्रणाली में संचालित होगा।
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर में विभक्त है।
- मुख्य विषय (हिन्दी) के प्रत्येक सेमेस्टर में कुल पाँच प्रश्न पत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न-पत्र चार क्रेडिट का होगा।
- चार प्रश्न पत्र थ्योरी आधारित तथा एक प्रश्न-पत्र प्रायोगिक होगा।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम में शोध परियोजना

- उच्च शिक्षा के चतुर्थ एवं पंचम वर्ष (स्नातकोत्तर के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष) से विद्यार्थी को बृहद शोध परियोजना करनी होगी।
- शोध संबंधी निर्देश पाठ्यक्रम संरचनाएं निर्दिष्ट है।
- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर) में छात्र एवं छात्राओं को किसी एक सेमेस्टर में मुख्य विषय (हिन्दी) से इतर अन्य विषय से संबंधित माइनर प्रश्न पत्र आहारित करना होगा।
- सप्तम सेमेस्टर हेतु माइनर विषय प्रश्न पत्र 'सोशल मीडिया और हिंदी' होगा।
- एक क्रेडिट हेतु अधिकतम पंद्रह घंटे (कक्षा) निर्धारित है।

एम०ए प्रथम वर्ष / बी०ए० चतुर्थ वर्ष		***सप्तम सेमेस्टर***	***अंक विभाजन***	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	**पत्र का प्रकार**	**क्रेडिट**	***लिखित***	***आन्तरिक मूल्यांकन***
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
पंचम प्रश्न पत्र	लिखित + प्रायोगिक	4 (चार)	50	50
शोध	लघुशोध	2 (दो)	50	....
			कुल योग	550

एम०ए प्रथम वर्ष / बी०ए० चतुर्थ वर्ष		***अष्टम सेमेस्टर***	***अंक विभाजन***	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	**पत्र का प्रकार**	**क्रेडिट**	***लिखित***	***आन्तरिक मूल्यांकन***
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
पंचम प्रश्न पत्र	लिखित + प्रायोगिक	4 (चार)	50	50
शोध	लघुशोध	2 (दो)	50	....
			कुल योग	550

नोट- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में छात्र / छात्रा को मेजर विषय से अलग अन्य संकाय का माइनर विषय चुनना होगा।

एम०ए द्वितीय वर्ष		***नवम सेमेस्टर***	***अंक विभाजन***	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	**पत्र का प्रकार**	**क्रेडिट**	***लिखित***	***आन्तरिक मूल्यांकन***
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
पंचम प्रश्न पत्र	लिखित + प्रायोगिक	4 (चार)	50	50
शोध	लघुशोध	2 (दो)	50	....
			कुल योग	550

एम०ए द्वितीय वर्ष		***दशम सेमेस्टर***	***अंक विभाजन***	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	**पत्र का प्रकार**	**क्रेडिट**	***लिखित***	***आन्तरिक मूल्यांकन***
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
पंचम प्रश्न पत्र	लिखित + प्रायोगिक	4 (चार)	50	50
शोध	लघुशोध	2 (दो)	50	....
			कुल योग	550

शोध संबंधित निर्देश

- छात्र / छात्रा को स्नातकोत्तर के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में मुख्य विषय से सम्बंधित बृहद शोध परियोजना करनी होगी। बृहद शोध परियोजना हेतु छात्र / छात्रा को विभाग द्वारा निर्देशक नियुक्त किया जाएगा इस निमित्त आवश्यकतानुसार अन्य विषय के सह निर्देशक भी आवंटित किया जा सकता है।
- इस बृहद शोध परियोजना को छात्र / छात्रा द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर (सप्तम, अष्टम, नवम एवं दशम) में दो क्रेडिट (चार घंटे प्रति सप्ताह) के अनुरूप आवंटित किया जाएगा। बृहद शोध परियोजना को चार खंड में आवंटित करके हर खंड के निर्धारित अध्यायों को चार सेमेस्टर में पूर्ण करना होगा।
- छात्र / छात्रा को स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष (दोनों सेमेस्टर में किये गए शोध कार्य का संयुक्त प्रबंध) में लिखा गया संयुक्त प्रबंध तथा द्वितीय वर्ष (दोनों सेमेस्टर में किये गए शोध कार्य का संयुक्त प्रबंध) में लिखा गया संयुक्त प्रबंध मूल्याङ्कन हेतु प्रत्येक वर्ष (इवेन सेमेस्टर) के अंत में जमा करना अनिवार्य होगा ।
- छात्र / छात्रा द्वारा स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में जमा किये गए दोनों शोध प्रबंध का मूल्याङ्कन प्रत्येक वर्ष के अंत में निर्देशक एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित वाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में किया जाएगा।
- शोध हेतु कुल 8 क्रेडिट आवंटित हैं।
- शोध परियोजना के वार्षिक प्राप्तांकों (100) पर ग्रेड निर्धारित होगा तथा इन अंकों के आधार पर सी०जी०पी०ए० की गणना की जायेगी।

प्रश्न पत्र का पूर्णांक

- प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 अंक प्रस्तावित है। *75* अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा *25* अंक *आंतरिक मूल्यांकन* रचनात्मक गतिविधियों हेतु प्रस्तावित है।
- *प्रत्येक सेमेस्टर का पांचवाँ प्रश्न पत्र अर्थात् पांचवाँ, दसवाँ, पन्दहवाँ एवं बीसवाँ प्रश्न पत्र 100-100 अंक का होगा। इन प्रश्न पत्रों में 50 अंक के लिखित एवं 50 अंक की प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न होगी। प्रायोगिक परीक्षा के 50 अंक का आवंटन 25 अंक (आन्तरिक मूल्यांकन) हेतु तथा 25 अंक (मौखिकी) हेतु निर्धारित है।*
- *मौखिकी के लिए पचास (50) अंक की प्रायोगिक परीक्षा हेतु एक आंतरिक एवं एक बाह्य परीक्षक नियुक्त होंगे।*

वर्ष	**सेमेस्टर**	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/ प्रायोगिक	क्रेडिट
बी. ए. चतुर्थ वर्ष एम. ए. प्रथम वर्ष	सप्तम	PG1HIN 7SEM1P	प्रथम	हिन्दी भाषा और साहित्य का आरम्भ	**लिखित**	04
		PG1HIN 7SEM2P	द्वितीय	आदिकाल : इतिहास और साहित्य	**लिखित**	04
		PG1HIN 7SEM3P	तृतीय	हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन : परंपरा और दृष्टि	**लिखित**	04
		PG1HIN 7SEM4P	चतुर्थ	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	**लिखित**	04
		PG1HIN 7SEM5P	पंचम	**हिन्दी सिनेमा**	**लिखित और प्रायोगिक**	04
बी. ए. चतुर्थ वर्ष एम. ए. प्रथम वर्ष	अष्टम	PG2HIN 8SEM1P	प्रथम	पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) : इतिहास और साहित्य	**लिखित**	04
		PG2HIN 8SEM2P	द्वितीय	उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) : इतिहास और साहित्य	**लिखित**	04
		PG2HIN 8SEM3P	तृतीय	**भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के नए क्षेत्र**	**लिखित**	04
		PG2HIN 8SEM4P	चतुर्थ	**तुलनात्मक साहित्य, अवधी लोक साहित्य, अनुवाद विज्ञान और भोजपुरी लोक साहित्य में से किसी एक प्रश्न पत्र का अध्ययन अनिवार्य है**	**लिखित**	04
		PG2HIN 8SEM5P	पंचम	**हिन्दी नाटक और रंगमंच**	**लिखित और प्रायोगिक**	04

- नोट- बृहद शोध परियोजना के अंतर्गत सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर में संयुक्त रूप से लिखे गए लघु शोध को अष्टम सेमेस्टर में एकीकृत कर हर छात्र / छात्र को मूल्यांकन हेतु डिजर्टेशन प्रस्तुत करना अनिवार्य है, ताकि समय से परीक्षा फल घोषित हो सके। उक्त हेतु कुल 4 क्रेडिट एवं 100 अंक निर्धारित हैं।

एम. ए. द्वितीय वर्ष	नवम	PG3HIN9SEM1P	प्रथम	आधुनिक काल (गद्य काल) : इतिहास और साहित्य (भारतेंदु एवं द्विवेदी युग)	लिखित	04
		PG3HIN9SEM2P	द्वितीय	आधुनिक काल : इतिहास और साहित्य (स्वछंदतावाद, छायावाद, उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और नवगीत)	लिखित	04
		PG3HIN9SEM3P	तृतीय	आधुनिक गद्य : प्रेमचंद एवं प्रेमचंदोत्तर युग (स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्रयोत्तर गद्य)	लिखित	04
		PG3HIN9SEM4P	चतुर्थ	कथेतर गद्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, डायरी, यात्रावृत्त, गद्यकाव्य)	लिखित	04
		PG3HIN9SEM5P	पंचम	**हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम**	**लिखित और प्रायोगिक**	04
एम. ए. द्वितीय वर्ष	दशम	PG4HIN10SEM1P	प्रथम	आधुनिक काल : इतिहास और साहित्य (अकविता, विभिन्न दशकों की कवितायेँ और उत्तर शती का काव्य)	लिखित	04
		PG4HIN10SEM2P	द्वितीय	हिन्दी आलोचना और आलोचक	लिखित	04
		PG4HIN10SEM3P	तृतीय	भारतीय साहित्य	लिखित	04
		PG4HIN10SEM4P	चतुर्थ	**विमर्श आधारित विशेष अध्ययन (स्त्री, दलित, आदिवासी तथा थर्ड जेंडर में से किसी एक का विशेष अध्ययन अनिवार्य है।)**	लिखित	04
		PG4HIN10SEM5P	पंचम	**पठकथा और विज्ञापन लेखन**	**लिखित और प्रायोगिक**	04

नोट---

- बृहद शोध परियोजना के नवम एवं दशम सेमेस्टर में निर्देशक के निर्देशन में पूर्ण कर दशम सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्ण होने के एक सप्ताह के अन्दर मूल्याङ्कन हेतु प्रस्तुत करें ताकि समय से परीक्षा फल घोषित हो सके।
- उक्त हेतु कुल 4 क्रेडिट एवं 100 अंक निर्धारित हैं।

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VII / MA I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG1HIN7SEM1P	COURSE TITLE: हिन्दी भाषा और साहित्य का आरम्भ	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

इस पत्र के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य के आरम्भ के विभिन्न स्रोतों, मान्यताओं, रचानात्मक परि-श्य की समझ हासिल की जाएगी। साथ ही विभिन्न संज्ञाओं के जन्म की कहानी, उनके अर्थसंकोच और अर्थविस्तार के कारकों की भी पहचान की जाएगी। अपभ्रंश, अवहट्ट, मैथिली, दक्खिनी हिन्दी आदि के आरम्भिक सृजन संसार और भाषा निर्माण की प्रक्रियाओं का भी अध्ययन किया जाएगा। हिन्दी क्षेत्रों की विभिन्न भाषाओं/उपभाषाओं का अध्ययन भी इस पत्र में प्रस्तावित है।

1. इकाई 1
   हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति सम्बन्धी मतों को जानना, हिन्दी के विविध रूपों की पहचान एवं उसकी विकास यात्रा को समझना, हिन्दी क्षेत्रों की विविध उपभाषाओं की जानकारी।
2. इकाई 2
   हिन्दी भाषा के विकास को विभिन्न साहित्येतिहास कालखंडों के आईने में परखना, खड़ी बोली के विभिन्न रूपों को विचारकों की दृष्टि से समझना।
3. इकाई 3
   हिन्दी साहित्य के आरम्भ को अपभ्रंश के उत्तरवर्ती दौर से, सिद्धों-नाथों एवं लौकिक साहित्य यात्रा के माध्यम से समझना।
4. इकाई 4
   खड़ी बोली के स्वरूप को फोर्ट विलियम कॉलेज से आधुनिक काल तक समझना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**हिन्दी भाषा I**	15

	हिन्दी शब्द का अर्थ, हिन्दी की अवधारणा, अपभ्रंश एवं आधुनिक भाषाएँ / उपभाषाएँ, हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, हिन्दी क्षेत्र: पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, पहाडी, बिहारी, दक्खिनी हिन्दी: क्षेत्र और विकासक्रम, भाषा रूप: हिन्दी, हिन्दुई, हिन्दुस्तानी, उर्दू।	
II	**हिन्दी भाषा II** हिन्दी भाषा का विकास: आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल, हिन्दी अस्मिता सम्बन्धी विभिन्न मत। भारतेंदु हरिश्चन्द्र, लक्षमण सिंह, राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद, द्विववेदी युग एवं हिन्दी भाषा का स्वरूप।	15
III	**हिन्दी साहित्य का आरंभ I** उत्तर अपभ्रंश, अवहट्ट एवं पुरानी हिन्दी सम्बन्धी स्थापनाएँ और हिन्दी साहित्य का आरम्भ, प्रथम कवि और प्रथम रचना, अपभ्रंश साहित्य का संक्षिप्त परिचय, अपभ्रंश का जैन साहित्य और रचनाओं का वर्गीकरण, नाथ सम्प्रदाय और साहित्य, लौकिक साहित्य एवं उनकी विशेषताएँ।	15
IV	**हिन्दी साहित्य का आरंभ II** फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी, हिन्दी भाषा के सन्दर्भ में विभिन्न विद्वानों/विचारकों की मान्यताएँ: गार्सा द तांसी, शिवसिंह सेंगर, मिश्रबन्धु, जॉर्ज ग्रियर्सन, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, महात्मा गांधी, रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचन्द, हजारीप्रसाद द्विवेदी।	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग। 3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : पं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्री कृष्णलाल, प्र0 हिन्दी परिषद प्रयाग।	

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 हिन्दी की अवधारणा की समझ एवं उपभाषाओं का ज्ञान। 2. इकाई 2 विभिन्न साहित्येतिहासिक कालखंडों से गुज़रकर हिन्दी भाषा की अवधारणा प्राप्त करना। 3. इकाई 3 सिद्ध,नाथ और लौकिक साहित्य के विभिन्न भाषा और साहित्य रूप का ज्ञान। 4. इकाई 4 हिन्दी के खड़ी बोली रूप की आधुनिक काल में उपस्थिति की समझ।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions :	

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VII / MA I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG1HIN7SEM2P	COURSE TITLE: आदिकाल: इतिहास और साहित्य	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

इस प्रश्न पत्र के माध्यम से आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, विभिन्न परिस्थितियाँ, भाषा रूपों का अध्ययन अपेक्षित है। साथ ही भविष्य के हिन्दी साहित्य और संस्कृति की पीठिका की समझ का निर्माण भी होगा। कतिपय चयनित अंशों के माध्यम से आदिकालीन रचना परिदृश्य को समझने का प्रयास होगा।

1. इकाई 1
   आदिकाल के नामकरण, काल-निर्धारण, भाषा रूप आदि को समझना।
2. इकाई 2
   आदिकाल की पृष्ठभूमि का ज्ञान प्राप्त करना।
3. इकाई 3
   आदिकाल की पृष्ठभूमि को रासो, लौकिक साहित्य और अमीर खुसरो की दृष्टि से समझना।
4. इकाई 4
   सरहपा, चंदबरदाई, विद्यापति, और खुसरो की कविता के चयनित अंशों की समझ प्राप्त करना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**आदिकाल की पृष्ठभूमि I** आदिकाल: नामकरण सम्बन्धी विचार एवं काल निर्धारण, परिवेश, राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थिति, आदिकालीन भाषा रूप ।	15
II	**आदिकाल की पृष्ठभूमि II** अपभ्रंश साहित्य: पृष्ठभूमि और प्रभाव, आदिकाल की उपलब्ध सामग्री. प्रमाणिकता, ग्रहण और त्याग का सन्दर्भ, सिद्ध साहित्य और जैन साहित्य ।	15

III	**आदिकाल की पृष्ठभूमि III** रासो साहित्य, पृथ्वीराज रासो- विभिन्न संस्करण, प्रामाणिकता-अप्रामाणिकता के लिए तर्क, काव्योत्कर्ष, अमीर खुसरो, विद्यापति, लौकिक साहित्य और उसकी विशेषताएँ।	15
IV	**चयनित अंश** इस युनिट में निर्धारित पद्यांश की व्याख्या और काव्य सौन्दर्य का उद्घाटन अपेक्षित है- 1. सरहपा – हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान-नामवर सिंह में संकलित सरहपा के दस दोहे। 2. चन्दबरदाई- पृथ्वीराज रासउ – संयोगिता परिणय, माताप्रसाद गुप्त, साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी। 3. विद्यापति–नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशन, गीत संख्या3,4,5,6,9,14,17,20,25,37और 64 4. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक – ब्रजरत्न दास (मुकरी-156, 160, 162, 168, 175, 184, 185, 188, 197, 204 - दस दोहे) गीत-95, 112, 113, 116, 125, 126 कुल छ: गीत।	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : पं0विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना।
7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्री कृष्णलाल, प्र0 हिन्दी परिषद प्रयाग।
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं0 डॉ0 नगेन्द्र।
11. हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, ना0प्र0 सभा, वाराणसी।
12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।

	13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 14. कीर्तिलता और अवहट्ट - शिवप्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 15. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 16. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान - नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद। 17. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 18. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज। 19. चन्दबरदाई. पृथ्वीराज रासउ - संयोगिता परिणयए माताप्रसाद गुप्तए साहित्य सदनए चिरगांवए झांसीद्य 20. विद्यापति - नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशनए नई दिल्ली। 21. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक - ब्रजरत्न दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 आदिकाल के नामकरण, काल-निर्धारण, भाषा रूप आदि का ज्ञान। 2. इकाई 2 आदिकाल की पृष्ठभूमि का ज्ञान। 3. इकाई 3 आदिकाल की पृष्ठभूमि का ज्ञान, रासो, लौकिक साहित्य और अमीर खुसरो का ज्ञान। 4. इकाई 4 सरहपा, चंदबरदाई, विद्यापति, और खुसरो की कविता के चयनित अंशों की समझ और काव्यानुभूति की बनावट का ज्ञान।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	

Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VII / MA I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG1HIN7SEM3P	COURSE TITLE: हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन: परम्परा और दृष्टि	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन संबंधी विभिन्न दृष्टियाँ रही हैं। इस पत्र के माध्यम से इतिहास दर्शन साहित्य के इतिहास की परंपरा, काल विभाजन एवं प्रमुख सिद्धान्तों का विवेचन किया जायेगा। पत्र का उद्देश्य विभिन्न दृष्टियां की स्पष्ट समझ का निर्माण करना है।

1. इकाई 1
   इतिहास दर्शन को साहित्य के अलोक में समझना ।
2. इकाई 2
   इतिहास लेखन परम्परा में नामकरण, काल विभाजन आदि को जानना।
3. इकाई 3
   साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों को समझना।
4. इकाई 4
   साहित्येतिहास दर्शन के अन्य प्रमुख सिद्धांतों को समझना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**इतिहास लेखन परंपरा - I** इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप, इतिहास दर्शन, साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्येतिहास और साहित्यालोचन।	15
II	**इतिहास लेखन परंपरा - II** हिन्दी साहित्येतिहास की परंपरा, हिन्दी साहित्येतिहास के आधार, काल विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्याएँ।	15
III	**साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त - I** विधेयवाद, मार्क्सवाद, संरचनावाद, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।	15

IV	**साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त – II** इतिहास और आलोचना, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी, दलित, आदिवासी एवं एल0जी0बी0टी0 के संदर्भ।	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 2. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 3. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 4. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग-एक), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी। 6. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद 8. साहित्य का इतिहास-दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना 9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 10. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली 11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद । This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 इतिहास दर्शन का साहित्य के अलोक में ज्ञान। 2. इकाई 2 इतिहास लेखन परम्परा में नामकरण, काल विभाजन का ज्ञान। 3. इकाई 3 एवं 4 साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों का ज्ञान।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	

	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VII / MA I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG1HIN7SEM4P	COURSE TITLE: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   भारतीय ज्ञान परंपरा के काव्यशास्त्रीय परम्परा से परिचित होंगे।
2. इकाई 2
   भारतीय काव्यशास्त्र के ध्वनी, वक्रोक्ति, औचीत्य आदि सिद्धांतों से परिचय प्राप्त करेंगे।
3. इकाई 3
   पाश्चात्य काव्यशास्त्र की व्यापक समझ बनेगी।
4. इकाई 4
   पाश्चात्य दार्शनिकों के दर्शन से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**भारतीय काव्यशास्त्र – I** • काव्य लक्षण • काव्य हेतु • काव्य प्रयोजन • काव्य के प्रकार **रस सिद्धांत** • रस सिद्धांत • रस का स्वरुप • रस निष्पत्ति • रस के अंग • साधारणीकरण	15

	• सहृदय की अवधारणा अलंकार सिद्धांत • मूल स्थापनाएं • अलंकारों का वर्गीकरण रीति सिद्धांत • रीति की अवधारणा • काव्य गुण • रीति एवं शैली • रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं	
II	भारतीय काव्यशास्त्र – II वक्रोक्ति सिद्धांत • वक्रोक्ति की अवधारणा • वक्रोक्ति के भेद • वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ध्वनि सिद्धांत • ध्वनि का स्वरुप • ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं • ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद • गुणीभूत व्यंग्य • चित्र काव्य औचित्य सिद्धांत • प्रमुख स्थापनाएं औचित्य के भेद	15
III	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – III प्लेटो • काव्य सिद्धांत अरस्तू • अनुकरण सिद्धांत • त्रासदी • विरेचन लान्जाइनस • औदात्य की अवधारण	15

	ड्राइडन ● काव्य सिद्धांत वर्ड्सवर्थ ● काव्य भाषा का सिद्धांत कोलरिज कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना	
IV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – IV ● मौथ्यु ओर्नाल्ड ● आलोचना का स्वरुप और प्रकार्य टी.एस.इलियट ● परम्परा की परिकल्पना और वैक्तिक प्रज्ञा ● निर्वैक्तिकता का सिद्धांत ● वस्तुनिष्ठ समीकरण आई.ए.रिचर्ड्स ● रागात्मक अर्थ ● सम्बेगों का संतुलन ● सम्प्रेषण सिद्धांत सिद्धांत और वाद ● स्वच्छन्दतावाद ● अभिव्यंजनावाद ● मार्क्सवाद ● मनोविशलेषणवाद ● अस्तित्त्ववाद ● उत्तरआधुनिकता अन्य बिंदु ● मिथक ● फंतासी ● कल्पना ● बिम्ब	15

	• प्रतिक	
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : डॉ0 राजवंश सहाय हीरा, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना। 2. समीक्षा दर्शन : डॉ0 रामलाल सिंह (प्रथम एवं द्वितीय भाग), प्र0 इण्डियन प्रेस, प्रयाग। 3. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त : राजवंश सहाय हीरा, चौखम्भा प्रेस, वाराणसी। 4. काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र, प्र0 विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 5. रस-विमर्श : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी। 6. भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी। 7. कविता के प्रतिमान : डॉ0 रवीन्द्र भ्रमर। 8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र, प्र0 नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 9. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश-त्र्यम्बक देशपाण्डेय, पापुलर बुक डिपो, मुम्बई। 10. साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रेस, प्रयाग। 11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली। 12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा : डॉ0 नगेन्द्र। 14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा। This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 भारतीय ज्ञान परंपरा के काव्यशास्त्रीय परम्परा से परिचित हुए। 2. इकाई 2 भारतीय काव्यशास्त्र के ध्वनी, वक्रोक्ति, औचीत्य आदि सिद्धांतों से परिचय प्राप्त किए। 3. इकाई 3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की व्यापक समझ बनी। 4. इकाई 4 पाश्चात्य दार्शनिकों के दर्शन से विद्यार्थी लाभान्वित हुए।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods:	

	1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VII / MA I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG1HIN7SEM5P	COURSE TITLE: हिन्दी सिनेमा	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   भारतीय सिनेमा का इतिहास समझने में मदद मिलेगी।
2. इकाई 2
   भारतीय सिनेमा के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त होगी।
3. इकाई 3
   सिनेमा से जुड़े तमाम शब्दावलियों का गहनता से अध्ययन सुनिश्चित की जाएगी।
4. इकाई 4
   सिनेमा के प्रायोगिक कार्य से विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नये मार्ग प्रशस्त होंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 50+50	MIN. PASSING MARKS: 20+20

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**हिन्दी सिनेमा –I** • हिन्दी सिनेमा का आरम्भ • हिन्दी सिनेमा और दादा साहब फाल्के • हिन्दी मूक सिनेमा • हिन्दी सवाक सिनेमा • भारतीय सिनेमा का अति संक्षिप्त परिचय	15
II	**हिन्दी सिनेमा –II** • सन 1947 से 1980 के दौर का हिन्दी सिनेमा (प्रमुख फिल्में – आवारा , दो बीघा ज़मीन, उसने कहा था, मेरा नाम जोकर, मदर इंडिया और शोले) • सन 1980 से 2000 के बाद का हिंदी सिनेमा (प्रमुख फ़िल्में – मिस्टर इंडिया, एक डॉक्टर की मौत, चश्मे बद्दूर, छत्तीस चौरंगी लेन और अंगूर)	15

	• सन 2000 के बाद का हिंदी सिनेमा (प्रमुख फ़िल्में – चक दे इंडिया, द लिजेंड ऑफ़ भगत सिंह, स्लमडॉग मिलियनेयर, मेरी कॉम और दंगल) • हिंदी सिनेमा : विषय वैविध्य (समसामयिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राजनितिक पहलू)	
III	**हिन्दी सिनेमा –II** • प्रमुख व्यक्तित्व : राजकपूर, श्याम बेनेगल, हृषिकेश मुखर्जी, ओमपुरी, दिलीप कुमार, के.एल. सहगल, मीना, वहीदा रहमान और स्मिता पाटिल आदि) • समानांतर सिनेमा • प्रतिबंधित सिनेमा • सिनेमाई भाषा का स्वरुप • सेंशरशिप • हिंदी सिनेमा :प्रतिरोध और विमर्श ▪ स्त्री प्रतिरोध (मंडी, छपाक, लज्जा और मेरी कॉम) ▪ दलित प्रश्न (अछूत कन्या और सद्गति) ▪ आदिवासी जीवन (माझी : द माउन्टेन मैन, मृगया) ▪ बाल सिनेमा (तारे जमीं पर, मासूम, मकड़ी) • भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी सिनेमा • डिजिटल सिनेमा का संक्षिप्त परिचय	15
IV	**चतुर्थ इकाई में हिंदी सिनेमा से सम्बंधित प्रायोगिक कार्य निर्धारित है -** • किन्ही दो साहित्य आधारित फिल्मों का अध्ययन (काबुलीवाला, उमराव जान, रजनीगंधा, गाइड, तीसरी कसम, थ्री इडियट्स, निशांत, नौकर की कमीज, चरणदास चोर) • फिल्म समीक्षा • फिल्म निर्माण और मूल्यांकन (उपलब्ध संसाधन से) • समसामयिक फीचर फिल्म/डॉक्युमेंट्री/रिपोर्ट लेखन पर समूह चर्चा • शोध पत्र/लेख समीक्षा का प्रस्तुतिकरण • मौखिकी	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, जवरीमल्ल पारख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली	

	2. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल्ल पारख, ग्रन्थ शिल्पी, दिल्ली 3. विश्व सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ 100 फ़िल्में, राकेश मित्तल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 4. डायरेक्टर्स कट, जावेद हमीद, अतुल्य पब्लिकेशंस, दिल्ली 5. जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 6. हिन्दी सिनेमा की यात्रा, पंकज शर्मा, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली 7. प्रतिरोध और सिनेमा, महेंद्र प्रजापति, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली 8. जिन्दगी, गुरुदत्त 9. दो गुल्फामों की तीसरी कसम, अनंत कुर्थौल, कीकट प्रकाशन, पटना 10. बिछड़े सभी बारी-बारी, विमल मित्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 11. भारतीय सिनेमा का अन्तःकरण, विनोद दास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 भारतीय सिनेमा इतिहास की समझ बनी। 2. इकाई 2 भारतीय सिनेमा के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त हुई। 3. इकाई 3 सिनेमा से जुड़े तमाम शब्दावलियों का गहनता से अध्ययन किया गया। 4. इकाई 4 सिनेमा की पटकथा लेखन, रिकोर्डिंग, एडिटिंग आदि के प्रायोगिक रूप में सिखने को मिला।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

.....

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II SEM
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG2HIN8SEM1P	COURSE TITLE: पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल): इतिहास और साहित्य	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   क . भक्ति काल के दार्शनिक सामाजिक राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पक्षों को जानना।
   ख. भक्ति काल के उद्भव एवं विकास के विभिन्न पक्षों को जानना।
   ग. भक्ति काल की आरंभिक भारतीय स्वरूप को जानना।
2. इकाई 2
   कबीर काव्य के कतिपय आस्वाद धरातालों से परिचित होना।
   मलिक मोहम्मद जायसी के पद्मावत के सौंदर्य एवं साहित्य बोध को जानना।
3. इकाई 3
   भ्रमरगीत के दार्शनिक एवं साहित्यिक पीठिका के रचना अंशों को समझना।
4. इकाई 4
   तुलसीदास की प्रतिनिधि रचना रामचरितमानस के कतिपय अंशु से परिचित होना।
   मीरा के काव्य में कतिपय अंशों से परिचित होना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**पूर्व मध्यकाल का इतिहास (भक्तिकाल)** ● सामाजिक और राजनैतिक परिदृश्य ● उद्भव और विकास ● भक्तिकाल का भूगोल	15
II	**कबीर ग्रंथावली - संपादक : श्यामसुन्दर दास, ना0 प्र0 सभा, काशी** ● गुरुदेव कौ अंगः 1, 20, सुमिरन कौ अंग : 4, 14 , विरह कौ अंग : 12, 24 ● ग्यान बिरह कौ अंग : 5, 10, परचा कौ अंग : 3, 5	15

	• पद संख्या 1, 23, 39, 59, 71 (कुल 5 पद) **जायसी : पद्मावत : सं. रामचन्द्र शुक्ल :** नागमती-वियोग खंड	
III	**सूरदास : भ्रमरगीत सार -** सं0 रामचन्द्र शुक्ल, ना0 प्र0 सभा, काशी : पद संख्या 2, 5, 8, 9, 10, 14, 16, 20, 23, 25	15
IV	**तुलसीदास : रामचरितमानस :** तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर : अयोध्या काण्ड से सीता-राम संवाद : (मासपारायण, चौदहवाँ विश्राम से लेकर दोहा संख्या 67 की दौ चौपाइयों तक) **मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-110002** 5 पद - मण थें परस हरि रे चरण, आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्यारी, माई री म्हाँ लियां गोविदाँ मोल, यें मत बरजां माइरी	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 12. कबीर : आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 13. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी,सभा 14. त्रिवेणी : सं0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल 15. सूर साहित्य : आ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 16. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादक - डॉ0 नगेन्द्र 17. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ 18. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी 19. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह 20. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी 21. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा 22. जायसी : विजयदेवनारायण साही 23. महाकवि जायसी और उनका काव्य : इकबाल अहमद, लोकभारती प्रकाषन 24. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य : शिवकुमार मिश्र 25. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाषन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	अध्ययन परिणाम :	

	1. इकाई 1 भक्तिकाल की व्यापक समझ। 2. इकाई 2 कबीर और जायसी के साहित्य बोध और सौंदर्य बोध की समझ। 3. इकाई 3 कबीर और जायसी के साहित्य बोध और सौंदर्य बोध की समझ। 4. इकाई 4 तुलसी और मीरा के युगबोध में उनके काव्य के माध्यम से साक्षात्कार।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II SEM
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG2HIN8SEM2P	COURSE TITLE: उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल): इतिहास और साहित्य	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   रीतिकाल के सामाजिक, राजनैतिक परिदृश्य को समझना, उद्भव और विकास की यात्रा की समझ हासिल करना।
2. इकाई 2
   बिहारी और केशवदास के काव्य संसार को समझना!रचना सौंदर्य का उद्घाटन करना।
3. इकाई 3
   भूषण के रचना सौंदर्य का उद्घाटन।
4. इकाई 4
   घनानंद रचना सौंदर्य का का उद्घाटन।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**उत्तर मध्यकाल का इतिहास (रीतिकाल)** ● सामाजिक और राजनैतिक परिदृश्य ● उद्भव और विकास	15
II	**बिहारी सतसई : बिहारी रत्नाकर , सं. जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005 ई.** दोहा संख्या : 1, 9, 20, 38, 55, 85, 135, 171, 191, 207, 300, 406, 428, 588, 658 **रामचंद्रिका : केशवदास; केशव कौमुदी (प्रथम भाग) सं. लाला भगवानदीन** 11वाँ प्रकाश - छंद सं0 1 से 5 तक, 12वाँ प्रकाश - छंद सं0 1 से 5 तक	15

III	**भूषण-ग्रंथावली, प्रधान संपादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, साहित्य सेवक कार्यालय, काशी, शरत्पूर्णिमा, संवत् 1993** शिवा बावनी : प्रताप वर्णन, रण-प्रस्थान वर्णन, विजय वर्णन छत्रसाल दशक : पराक्रम वर्णन, दान वर्णन	15
IV	**घनानंद कवित्त : सं0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र** 10 छंद : छंद सं0 1, 5, 8, 9, 15, 17, 19, 68, 70, 71	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. बिहारी सार्धशती : ओमप्रकाश 2. बिहारी : ओमप्रकाश 3. बिहारी की काव्य सृश्टि : जयप्रकाश 4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथप्रसाद मिश्र 5. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना : बच्चन सिंह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 6. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 7. भूशण विमर्ष : भागीरथप्रसाद दीक्षित 8. महाकवि भूशण : भागीरथप्रसाद दीक्षित, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद 9. वीर काव्य : भागीरथप्रसाद दीक्षित 10. घनानंद : एरिस बंका 11. घनानंद (साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित मोनोग्राफ) 12. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र 13. रीतिकाव्य : नंदकिषोर नवल, राजकमल प्रकाशन 14. रीतिकाव्य : मूल्यांकन के नये आयाम, सं. डॉ0 प्रभाकर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 रीतिकाल की समग्र समझ। 2. इकाई 2 बिहारी और केशवदास की साहित्य एवं सौंदर्य दृष्टि की रचना समझ।	

	3. इकाई 3 भूषण की साहित्य और सौंदर्य दृष्टि का ज्ञान। 4. इकाई 4 घनानंद की सौंदर्य दृष्टि की समझ।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II SEM
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG2HIN8SEM3P	COURSE TITLE: भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के नए क्षेत्र	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   भाषा की उत्पत्ति के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे साथ-ही-साथ विभिन्न भाषा परिवार की भाषाओं से भी परिचय प्राप्त करेंगे।
2. इकाई 2
   भाषा की सुक्ष्तम इकाई ध्वनि के बारे में व्यापक समझ बनेगी।
3. इकाई 3
   हिंदी भाषा के उद्भव और विकास की विस्तृत जानकारी के साथ ही हम राजभाषा हिंदी के संवैधानिक स्वरुप के बारे में भी जान सकेंगे।
4. इकाई 4
   भाषा की मानकीकरण की व्यापक समझ विकसित होगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा , भाषोत्पति के विविध सिद्धान्त, भारत में भाषा अध्ययन एवं भाषा विज्ञान की परम्परा। भाषा का वर्गीकरण : पारिवारिक एवं आकृतिमूलक, भारत के विभिन्न भाषा परिवार की विषेशताएँ और हिन्दी।	15
II	**ध्वनि विज्ञान**: अर्थ एवं अवधारणा, ध्वनि परिवर्तन के कारण व दिशायें, पद विज्ञानः अर्थ और अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ विज्ञानः अर्थ और अवधारणा, अर्थ प्रतीति के साधन अर्थ परिवर्तन के कारण व दिशायें, **वाक्य विज्ञान**: अर्थ और अवधारणा, वाक्य रचना के आधार, वाक्य के प्रकार, वाक्य के निकटतम अवयव, **व्याकरणिक कोटियाँ**: अभिप्राय एवं उद्देश्य, रूपिम की परिभाषा एवं प्रकार, कोश विज्ञान व शैली विज्ञान का स्वरूप	15

III	हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी राजभाषा के रूप में हिन्दी की वर्त्तमान स्थिति, राष्ट्रभाषा के आवश्यक गुण और हिन्दी, वैष्विक हिन्दी	15
IV	हिन्दी मानकीकरण, समस्या और समाधान, आधुनिक तकनीकी विकास और हिन्दी देवनागरी लिपि के उद्भव, विकास एवं इसकी वैज्ञानिकता	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृश्ण प्रकाशन दिल्ली
2. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद
4. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. राश्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान-देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।
6. हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी।
7. भाषा षास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी
8. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना
9. हिन्दी - उद्भव, विकास और रूप : डॉ0 हरदेव बाहरी
10. भारत की भाषा -समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
11. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना
12. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन
13. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा
14. आधुनिक भाषा विज्ञान : राजमणि शर्मा
15. हिन्दी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन
16. संपर्क भाषा हिन्दी : सुरेश कुमार, ठाकुर दास, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

अध्ययन परिणाम :

1. इकाई 1
   भाषा की उत्पत्ति के बारे में ज्ञान प्राप्त किए, साथ-ही-साथ विभिन्न भाषा परिवार की भाषाओं से भी परिचय प्राप्त की।
2. इकाई 2

	भाषा की सुक्ष्तम इकाई ध्वनि के बारे में व्यापक समझ विकसित हुई। 3. इकाई 3 हिंदी भाषा के उद्भव और विकास की विस्तृत जानकारी के साथ ही हम राजभाषा हिंदी के संवैधानिक स्वरुप के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। 4. इकाई 4 भाषा की मानकीकरण की व्यापक समझ विकसित हुई।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II SEM
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG2HIN8SEM4P A	COURSE TITLE: तुलनात्मक साहित्य	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   तुलनात्मक साहित्य के सामाजिक संस्कृतिक महत्व को समझना।
2. इकाई 2
   कन्नड़ और हिंदी के उपन्यासो के तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से संस्कृतिक, सामाजिक निर्मितियों संरचनाओं को समझना।
3. इकाई 3
   रविंद्रनाथ टैगोर की कविताओं के अध्ययन में भारतीय ज्ञान परम्परा को समझना।
4. इकाई 4
   मराठी नाट्य विधा के द्वारा महाराष्ट्र की संस्कृति एवं सभ्यता को समझना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	तुलनात्मक साहित्य : अर्थ और अवधारणा, तुलनात्मक भारतीय साहित्य का स्वरूप और विभिन्न स्कूल	15
II	उपन्यास : संस्कार : यू आर अनंतमूर्ति, (कन्नड़ से अनुदित)	15
III	कविता : रवीन्द्रनाथ टैगौर की 3 कविताएं : भारत तीर्थ, मुक्ति, प्रार्थना (बांग्ला से अनुदित) कहानी : अँधेरे की आत्मा : एम. टी. वासुदेवन नायर (मलयालम से अनुदित)	15
IV	नाटक : घासीराम कोतवाल : विजय तेंदुलकर, (मराठी से अनुदित)	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इन्द्रनाथ चौधुरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1983	

2. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य : इन्द्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तुलनात्मक साहित्य शास्त्र : इतिहास और समीक्षा : (भूमिका) डॉ. भागीरथ मिश्र, लेखक विष्णुदत्त राकेश, साहित्य सदन, देहरादून
4. तुलनात्मक साहित्य : (सं.) डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1985.
5. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप एवं समस्याएँ : (सं.) डॉ. भ. ह. राजूरकर एवं डॉ. राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन
6. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य : (सं.) डॉ. भ. ह. राजूरकर एवं डॉ. राजकमल बोरा, वाणी प्रकाशन
7. तुलना और तुलना : डॉ0 के0 वनजा, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2001
8. तुलनात्मक साहित्य समाकलन : टी0 जी0 मयंकड, (सं0) डॉ0 नगेन्द्र
9. तुलनात्मक साहित्य : नये सिद्धांत उपयोजन, डॉ0 आनंद पाटिल, हिन्दी बुक कारपोरेषन, दिल्ली, 2006
10. बांड्ला साहित्य का इतिहास सुकुमार सेन (अनुवादक) निर्मला जैन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2004.
11. बांग्ला और उसका साहित्य : श्री हंस कुमार तिवारी, (सं.) क्षेमचन्द्र सुमन, राजकमल प्रकाशन. नई दिल्ली
12. कहानी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ0 सी0 एम0 योहान्नन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. भारतीय साहित्य के निर्माता : शिशिर कुमार घोष, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2008
14. भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन : (सं0) डॉ0 शंभुनाथ पाण्डेय, डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा से प्रकाशित, 1966
15. भारतीय भाषाओं के पुरस्कृत साहित्यकार : (सं0) डॉ0 आरसु, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
16. भारतीय सौन्दर्य सिद्धान्त की नयी परिभाषा : डॉ0 सुरेन्द्र एस. बारलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ
17. The criticism of comparison, contemporary critcism (सं0) मैलकॉक ब्रैडवरी, डेविड पामर
18. तौलनिक साहित्याभ्यास : बसंत बापट, मौज प्रकाषन, मुंबई, 1990
19. हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ0 रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
20. हिंदी साहित्य : सरोकार और साक्षात्कार : डॉ0 आरसु, परमेश्वरी प्रकाशन (किताबघर प्रकाशन का उपक्रम), दिल्ली
21. इस्पातिका : भारतीय उपन्यास विषेशांक

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 तुलनात्मक साहित्य के सामाजिक सांस्कृतिक महत्त्व की समझ। 2. इकाई 2 कन्नड़ और हिंदी के उपन्यासों के तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से संस्कृतिक, सामाजिक निर्मितियों स्मरचनाओं को समझना। 3. इकाई 3 रविंद्रनाथ टैगोर की कविताओं के अध्ययन में भारतीय ज्ञान परम्परा की समझ। 4. इकाई 4 मराठी नाट्य विधा के द्वारा महाराष्ट्र की संस्कृति एवं सभ्यता की समझ।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II

Subject: Hindi

COURSE CODE: PG2HIN8SEM4P B	COURSE TITLE: अवधी साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

इस प्रश्न के माध्यम से अवधी भाषा और साहित्य से छात्र परिचित हो सकेंगे!अवधी भाषा और साहित्य का विस्तार क्षेत्र हिंदी भाषा क्षेत्र में समाहित है। हिंदी की संरचना को अवधी ने किस तरह प्रभावित किया है, जिज्ञासा का समाहार प्रस्तुत करना भी प्रश्न पत्र का उद्देश्य है। अवधी क्षेत्र के संस्कृतिक, साहित्यिक एवं वैचारिक स्वर को पहचानने के साथ- साथ प्रतिरोध की साझी वैचारिकी से भी पाठक परिचित होंगे।

अवधी साहित्य में उपस्थित लोक, विषय वैविध्य और भाषिक प्रयोग के कारण अवधी को मध्यकाल की विशिष्ट भाषा और साहित्य का दर्जा दिया गया। कालांतर में अवधी भाषा की विकास यात्रा का आधुनिक स्वरूप नई चुनौतीयों को किस प्रकार स्वर प्रदान कर रहा है के उद्देश्य की पूर्ति हेतु कोर्स का निर्धारण किया गया है। अवधी भाषा और साहित्य की हिंदी के साथ सहजीविता के वास्तविक स्वरूप की प्रस्तुति भी इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य है।

1. इकाई 1
   अवधी की भाषिक अस्मिता और साहित्यिक अवदान से परिचित होंगे।
2. इकाई 2
   काव्य प्रस्तुतियों के अवधी संस्करण की आधुनिक ध्वनियों से परिचित हो सकेंगे।
3. इकाई 3
   किस्सागोई के अवधी लोक से कहानी तक की यात्रा में उपस्थित ज़ीवन मूल्यों को जान पाएंगे।
4. इकाई 4
   अवधी का विस्तृत लोक जीवनानुभवों का ज्ञान भंडार है, से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	अवधी साहित्य का इतिहास	15
II	पद्य १- बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' कविता: बिटउनी सन्दर्भ-ग्रंथ - पढ़ीस ग्रंथावली (सं. - रामविलास शर्मा) प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ	15

	२- वंशीधर शुक्ल कविता: राजा की कोठी सन्दर्भ-ग्रंथ - वंशीधर शुक्ल रचनावली (सं. - श्यामसुन्दर मिश्र 'मधुप') प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ ३- गुरुप्रसाद सिंह ‘मृगेश’ कविता: उजरि बदरवा मानी ह्वैगे सन्दर्भ-ग्रंथ - आधुनिक अवधी कविता (सं - अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी) प्रकाशन - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ४- चंद्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका' कविता: परबसता सन्दर्भ-ग्रंथ - बौछार प्रकाशन - ग्राम साहित्य मंदिर, लखनऊ ५- त्रिलोचन शास्त्री कविता: बरवै (परिशिष्ट के आरंभिक बीस बरवै) सन्दर्भ-ग्रंथ - अमोला की किसुली (सं. - अष्टभुजा शुक्ल) प्रकाशन - नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली ६- माता प्रसाद ‘मितई’ कविता: विदेसिया - पंचायत से अपढ़ पत्नी की शिकायत सन्दर्भ-ग्रंथ - लोकगीत (पूर्वी अवधी में) प्रकाशन- ग्राम सेविका प्रकाशन, लखनऊ ७- जुमई खां ‘आजाद’ कविता: कथरी सन्दर्भ-ग्रंथ - पहरुआ प्रकाशक - अवधी आश्रम, गोबरी, प्रतापगढ़ ८- विश्वनाथ पाठक कविता: पलायन सन्दर्भ-ग्रंथ - घर कै कथा प्रकाशन - भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ९- रफीक शादानी	

	कविता: जियौ बहादुर खद्दरधारी सन्दर्भ-ग्रंथ - जियौ बहादुर खद्दरधारी प्रकाशन - परिकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली १०- रमाशंकर यादव 'विद्रोही' कविता: सीता सन्दर्भ-ग्रंथ - आधुनिक अवधी कविता (सं - अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी) प्रकाशन - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	
III	कहानी छोट के चोर (श्रीमती मोहिनी चमारिन) सन्दर्भ-ग्रंथ: कथा कहानी (सं. - भारतेन्दु मिश्र) प्रकाशक - परिकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली कहानी गांव की जिंदगी (वंशीधर शुक्ल) सन्दर्भ ग्रंथ: वंशीधर शुक्ल रचनावली (सं. - श्यामसुंदर मिश्र 'मधुप') प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ उपन्यास-अंश: निरहू की वापसी अउरु दिल्ली बरनन सन्दर्भ ग्रंथ: नई रोसनी (भारतेन्दु मिश्र) प्रकाशक - कश्यप पब्लिकेशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	15
IV	लोककथा अवधी कहानी, नमूना-२ (जिला - फैज़ाबाद) सन्दर्भ-ग्रंथ: भारत का भाषा सर्वेक्षण (भाग -६) संकलनकर्ता व सम्पादक - सर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन अनुवादक - डॉ. रामेश्वर प्रसाद अग्रवाल प्रकाशक - उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ आत्मकथांश: पिरेम कै आगि सन्दर्भ ग्रंथ: किस्सा पांड़े सीताराम सूबेदार (मधुकर उपाध्याय) प्रकाशक - सारांश प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. अवधी कथा साहित्य का इतिहास, डॉ. अरविन्द कुमार 2. अवधी और उसका साहित्य, डॉ. त्रिलोकिनारायण दीक्षित 3. आधुनिक अवधी भोजपुरी इतिहास और काव्य, डॉ. शालिग्राम शुक्ल 4. अवधी की आधुनिक प्रबंध धारा, डॉ. ज्ञानवती	

	5. आधुनिक अवधी काव्य : लोक जीवन और संस्कृति, डॉ. सरोज शुक्ला This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययन के उपरांत अवधी क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संरचना एवं इतिहास से परिचित होने के साथ -साथ अवधी भाषा और साहित्य के विकास क्रम की समझ,अवधी साहित्य के इतिहास में उपस्थित स्त्री पुरुष एवं उपेक्षित समुदाय के स्वर को जाने। 2. इकाई 2 अवधी की काव्यात्मक प्रस्तुतियों से विद्यार्थि परिचित हुए इस इकाई में ज़ीवन राग के विविध पहलुओं, प्रतिरोध के स्वर एवं ज़ीवन मूल्यों से संबंधित पद्य रचनाओं को पढ़कर विद्यार्थि मनुष्यता का विश्वसनित स्वर, ज़ीवन मूल्य, समावेशी संदर्भ, सहजीविता की वैचारिकी आदि का बोध प्राप्त कर सके। 3. इकाई 3 कहानी के अवधी वृत्त के स्वरूप से विद्यार्थी परिचित हुए अवधी में कथा लेखन का वस्तु विस्तार कई दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण है संकलित कहानियों की विषय वस्तु समाज के हर आर्थिक एवं सामाजिक तबके से जुड़ी हुई है। उपन्यास का अंश अवधी से बाहर की क्षेत्रीय सीमाओं का अंकन करते हुए अवधी के लोक वृत्त से बाहर की दुनिया को देखने की समझ देता है। वर्तमान दौर में भाषा का लोक वृत्त क्षेत्रीय एवं वैश्विक परिवर्तनो से किस तरह प्रभावित हो रहा है और देशज मान्यताएं अपना मूल्यवान अर्थ कैसे खोती चली जा रही है इनका बोध प्राप्त किये। 4. इकाई 4 इस इकाई में लोक के वृहद स्वरूप को जानने का अवसर प्राप्त हुआ साथ -साथ इस इकाई के द्वारा यह भी ज्ञात हुआ कि वैश्विकरण ने किस तरह लोक ज़ीवन, रंग, राग, सृजन, मूल्य आदि को प्रभावित किया है।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन

	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG2HIN8SEM4P C	COURSE TITLE: भोजपुरी साहित्य	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   उपन्यास और कहानी के स्वरूप को भोजपुरी के संदर्भ में समझना।
2. इकाई 2
   ग्राम देवता उपन्यास से भोजपुरी लोक वृत्त समझना।
3. इकाई 3
   कविता के माध्यम से भोजपुरी भूगोल के झंझावतों और आकांक्षाओं को देखना।
4. इकाई 4
   बेटी बेचवा नाटक के माध्यम से स्त्री पीड़ा को देखना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	उपन्यास आ कहानी : परिभाषा आ स्वरुप , तत्त्व, भाषा आ शिल्प	15
II	ग्राम देवता : रामदेव शुक्ल	15
III	कविता : मोर हीरा हेरा गय कचरे में (कबीर) अछूत की शिकायत (हीरा डोम) सुरमा आँखी में नाहीं ई तू छुलावत बाटऽ (तेग अली) प्रतियोगिता प्रसंग (सुशांत शर्मा) "जटायु के प्रतियोगिता प्रसंग से 8वें छंद से 16वें छंद तक"	15
IV	नाटक : बिदेशिया (भिखारी ठाकुर)	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भोजपुरी साहित्य का इतिहास --कृष्णदेव उपाध्याय, भारतीय लोक संस्कृति शोध संस्था, वाराणसी 2. भोजपुरी के आदिकवि कबीर : प्रो. ब्रजकिशोर एवं जितेंद्र वर्मा, अ. भा.भोजपुरी साहित्य सम्मेलन, पटना	

	3. भोजपुरी साहित्य के संक्षिप्त रुपरेखा : तैयब हुसैन पीड़ित, शब्द संसार पटना 4. भोजपुरी साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन : चन्द्रमा सिंह, जानकी प्रकाशन पटना 5. भोजपुरी कथा साहित्य के विकास : वेवेक राय 6. भोजपुरी कहानी विकास आ परम्परा : कृष्णा नन्द कृष्ण 7. समकालीन भोजपुरी साहित्य के कहानी विशेषांक 8. भोजपुरी उपन्यासो में ज़ीवन मूल्य : बलिराम प्रसाद, डी. पी. ए. पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 उपन्यास और कहानी की समझ। 2. इकाई 2 ग्राम देवता उपन्यास की समझ। 3. इकाई 3 कविता के माध्यम से भोजपुरी मन का साक्षात्कार। 4. इकाई 4 बेटी बेचवा के माध्यम से निर्धनता की बेबसी की समझ।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II

Subject: Hindi

COURSE CODE: PG2HIN8SEM4P D	COURSE TITLE: अनुवाद विज्ञान

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   अनुवाद के महत्व की समझ बनेगी।
2. इकाई 2
   अनुवाद प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
3. इकाई 3
   साहित्यिक अनुवाद की जानकारी मिलेगी।
4. इकाई 4
   मशीन से अनुवाद की प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	अनुवाद का स्वरूप, महत्व एवं प्रकार, अनुवाद और भाषा का संबंध, स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय, अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प या शास्त्र, अनुवाद की भारतीय परंपरा, अनुवाद और रोजगार	15
II	अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार, अनुवाद की सीमाएं एवं समस्याएं, अनुवाद की विभिन्न प्रयुक्तियाँ	15
III	साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं भावानुवाद, कार्यालयी अनुवाद, मीडिया और अनुवाद ज्ञान विज्ञान का साहित्य और अनुवाद, बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद	15
IV	अनुवाद पुनरीक्षण-मूल्यांकन, मशिन अनुवाद और उसकी समस्याएं, वैश्वीकरण और अनुवाद	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972	

2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,2012
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1994
5. कुमार डॉ सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1980
7. कुमार, डॉ सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ,चतुर्वेदी महेन्द्र,परिभाषिक शब्दावली: कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1973
9. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण,कार्यालयी अनुवाद की समस्या, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. चौधरी डॉ.प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद 2012
11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताब घर प्रकाशनप्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. टंडन पूरनचन्द एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
13. कुंचिपादम सीता,बैंको में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली. 1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999
16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें,अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2007
17. https://shabdavali.rbi.org.in/ (बैंकिंग शब्दावली)
18. https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary (विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोष)
19. https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)
20. https://www.oxfordlearnerdictionaries.com/us/ (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 अनुवाद के महत्व की समझ बनी। 2. इकाई 2 अनुवाद प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। 3. इकाई 3 साहित्यिक अनुवाद की जानकारी मिली। 4. इकाई 4 मशीन से अनुवाद की प्रक्रिया की समझ विकसित हुई।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA IV YEAR / MA I YEAR	SEMESTER: BA VIII / MA II
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG2HIN8SEM5P	COURSE TITLE: **हिन्दी नाटक और रंगमंच**	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   नाटक के स्वरूप और तत्व की समझ हासिल करना। भारतीय, पारसी एवं पश्चिमी रंगमंच की समझ।
2. इकाई 2
   हानूश नाटक को समझना।
3. इकाई 3
   ध्रुवस्वामिनी नाटक के माध्यम से स्त्री पीड़ा और आकांक्षा को जानना।
4. इकाई 4
   आषाढ़ का एक दिन के माध्यम से कलाकार के अंतर्द्वंद को जानना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 50+50	MIN. PASSING MARKS: 20+20

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास	15
II	हानूश	15
III	ध्रुवस्वामिनी	15
IV	आषाढ़ का एक दिन	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. बींसवीं शताब्दी का हिंदी नाटक और रंगमंच, गिरीश रस्तोगी
3. मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी
4. हिंदी नाटक एवं रंगमंच, गिरीश रस्तोगी
5. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, गिरीश रस्तोगी
6. नाट्यचिन्तन और रंगदर्शन : अन्तर्सम्बन्ध, गिरीश रस्तोगी
7. हिंदी नाटक और रंगमंच, डॉ. रामजी पाण्डेय

	8. नाटक एवं रंगमंच के विविध आयाम, सं. हरीश अरोड़ा 9. हिंदी नाटक वर्तमान सन्दर्भ, डॉ. परमेश्वरी शर्मा 10. रंगमंच, सिनेमा और टेलीविजन, राजेन्द्र उपाध्याय 11. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक, डॉ. अनुराग कुमार, रवि बुक्स, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 नाटक के स्वरूप और विभिन्न रंगमंचों की समझ। 2. इकाई 2 हानूश नाटक की समझ। 3. इकाई 3 ध्रुवस्वामिनी नाटक के माध्यम से स्त्री मीरा और आकांक्षा की समझ आषाढ़ का 1 दिन के माध्यम से स्त्री पीड़ा और आकांक्षा की समझ। 4. इकाई 4 आषाढ़ का एक दिन के माध्यम से मोहन राकेश के रचनात्मक दृष्टिकोण की समझ।
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

PROGRAMME/CLASS: **स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)**		SEMESTER: **III**

Subject: Hindi

COURSE CODE: **PG3HIN9SEM1P**	COURSE TITLE: आधुनिक काल (गद्य काल): इतिहास और साहित्य (भारतेंदु एवं द्विवेदी युग)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 :
   आधुनिकता की अवधारणा की समझ के आलोक में साहित्य और सौन्दर्यबोध की समझ बने। तार्किकता और वैज्ञानिकता के पहलू साहित्य के माध्यम से प्रकट हो तथा आधुनिक साहित्य का काल विस्तार और इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का उद्घाटन हो।
2. इकाई 2 :
   गद्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न आयामों को प्रकट करना।
3. इकाई 3 :
   भारतेंदुयुगीन गद्य एवं गद्यकारों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय।
4. इकाई 4 :
   द्विवेदीयुगीन गद्य एवं गद्यकारों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	आधुनिकता : अर्थ और अवधारणा नवजागरण और आधुनिकता आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, सीमांकन एवं नामकरण	15
II	गद्य : अर्थ और अवधारणा हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास हिन्दी गद्य की विशिष्टता	15
III	भारतेंदुयुगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियां भारतेंदुयुगीन प्रमुख गद्य साहित्य एवं गद्यकार	15
IV	द्विवेदीयुगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियां द्विवेदीयुगीन प्रमुख गद्य साहित्य एवं गद्यकार	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।	

	3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1, 2) : पं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल, प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद, प्रयाग। 10. आधुनिक हिन्दी कविता: विष्वनाथ प्रसाद तिवारी 11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी 12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद 13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : **1.** इकाई 1 : विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययनोपरांत आधुनिकता और आधुनिक पदबंध के अभिप्रायों को ग्रहण करने में सक्षम हुए और हिन्दी साहित्य में आधुनिक काल की चेतना की परिव्याप्ति को चिन्हित कर सकने में समर्थ हुए। **2.** इकाई 2 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत आधुनिक हिन्दी साहित्य में गद्य विधा के उद्भव के समाज सापेक्ष आधारों से विद्यार्थी अवगत होते हुए इसके तहत गद्य विधा की विशिष्टताओं को पहचान सकने में सक्षम बने हैं। **3.** इकाई 3 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण विशेष रूप से न केवल हिन्दी गद्य के आरम्भिक दौर अर्थात भारतेंदु युग के गद्य और गद्यकारों के महत्त्व को रेखांकित करते हुए इस दौर की गद्य परंपरा को मूर्त रूप में ग्रहण किये बल्कि आगामी परंपराओं के निर्माण में युक्तियुक्त पारस्परिकता के रचनात्मक बिंदुओं को पहचानने में सक्षम हुए। **4.** इकाई 4 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण विशेष रूप से न केवल हिन्दी गद्य के दूसरे और महत्वपूर्ण दौर अर्थात द्विवेदी युग के गद्य और गद्यकारों के महत्त्व को रेखांकित करते हुए इस दौर की गद्य परंपरा को मूर्त रूप में ग्रहण किये बल्कि आगामी परंपराओं के निर्माण में युक्तियुक्त पारस्परिकता के रचनात्मक बिंदुओं को पहचानने में सक्षम हो सके हैं।

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1-कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: **स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)**		SEMESTER: **III**

Subject: Hindi

COURSE CODE: **PG3HIN9SEM2P**	COURSE TITLE: आधुनिक काल : इतिहास और साहित्य (स्वच्छंदतावाद, छायावाद, उत्तर छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और नवगीत)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 :
   आधुनिकता की अवधारणा की समझ के आलोक में साहित्य और सौन्दर्यबोध की समझ बने। तार्किकता और वैज्ञानिकता के पहलू साहित्य के माध्यम से प्रकट हो तथा आधुनिककालीन साहित्य की परिधि में विभिन्न काव्य आंदोलनों का काल विस्तार और इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का उद्घाटन हो।
2. इकाई 2 : स्वच्छंदतावाद और छायावाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन करना और साहित्यिक परमपरा के निर्माण में इसके अवदान को चिन्हित करना।
3. इकाई 3 :
   उत्तर-छायावाद के दौर के काव्य आंदोलनों जैसे प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और नवगीत आंदोलनों की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन करना और साहित्यिक परमपरा के निर्माण में इसके अवदान को चिन्हित करना।
4. इकाई 4 :
   सम्बंधित प्रतिनिधि कवियों/कवयित्रियों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी कविता और आधुनिकता का वैचारिक परिप्रेक्ष्य हिन्दी कविता का शिल्प और आधुनिक सौन्दर्यबोध	15
II	स्वच्छंदतावाद एवं छायावाद : अर्थ, अवधारणा और पारस्परिकता प्रतिनिधि कवि और कवितायें : बीती विभावरी जाग री... जयशंकर प्रसाद, प्रथम रश्मि... सुमित्रानंदन पन्त, यह मंदिर का दीप ... महादेवी वर्मा, कुकुरमुत्ता... सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	15
III	प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : अर्थ, अवधारणा, प्रवृत्तियां और प्रभाव प्रतिनिधि कवि और कवितायें : दिल्ली... रामधारी सिंह दिनकर, जितनी स्फीति इयत्ता मेरी झलकाती है... अज्ञेय	15
IV	नई कविता : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियां और प्रभाव	15

	प्रतिनिधि कवि और कविता : अँधेरे में... मुक्तिबोध नवगीत : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियां और प्रभाव प्रतिनिधि नवगीतकार और नवगीत : समय की शिला पर... शम्भुनाथ सिंह	
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग। 3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1, 2) : पं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल, प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद, प्रयाग। 10. आधुनिक हिन्दी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी 12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद 13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 : विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययनोपरांत आधुनिकता और आधुनिक पदबंध के अभिप्रायों को ग्रहण करने में सक्षम तो हुए ही साथ ही साथ हिन्दी साहित्य में आधुनिक काल में विभिन्न काव्य-आंदोलनों की चेतना की परिव्याप्ति को भी चिन्हित कर पाए। 2. इकाई 2 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी साहित्य में स्वछंदतावाद और छायावाद की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके समाज सापेक्ष आधारों से अवगत हुए तथा इसकी विशिष्टताओं को पहचान सके। 3. इकाई 3 :	

	इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण विशेष रूप से हिन्दी साहित्य में प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, और नवगीत की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके समाज सापेक्ष आधारों से अवगत हुए तथा इसकी विशिष्टताओं को पहचान सके। 4. इकाई 4 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण विशेष रूप से उपर्युक्त दौर के प्रतिनिधि कवियों/कवयित्रियों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य का परिचय प्राप्त करते हुए आगामी परंपराओं के निर्माण में युक्तियुक्त पारस्परिकता के रचनात्मक बिंदुओं को पहचानने में सक्षम हुए ।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1-कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: **स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)**		SEMESTER: **III**
Subject: Hindi		
COURSE CODE: **PG3HIN9SEM3P**		COURSE TITLE: आधुनिक गद्य : प्रेमचंद एवं प्रेमचंदोत्तर युग (स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्रयोत्तर गद्य)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 व 2 :
   स्वतंत्रता के पहले और उसके बाद के गद्य में आये परिवर्तन और विकास के विभिन्न रूपों के सधान्तिक आयाम को समझने की क्षमता विकसित करना।
2. इकाई 3 व 4 :
   स्वतंत्रता से पहले और बाद के गद्य में आये परिवर्तन व विकास के विभिन्न रूपों का आस्वाद कराना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	स्वतन्त्रतापूर्व हिन्दी गद्य का स्वरूप प्रेमचंद का गद्य : संवेदना और शिल्प प्रेमचंदयुगीन गद्य और प्रमुख गद्यकार	15
II	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य का स्वरूपप्रेमचंदोत्तर हिन्दी गद्य और प्रमुख गद्यकार	15
III	प्रमुख गद्य का पाठ : उपन्यास कला (प्रेमचंद) देहाती दुनिया (शिवपूजन सहाय)	15
IV	प्रमुख गद्य का पाठ : उत्तर प्रियदर्शी (अज्ञेय) प्रगीत और समाज (नामवर सिंह)	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी। 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग। 3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता। 4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1, 2) : पं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।	

	5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल, प्रयाग। 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना। 7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद, प्रयाग। 10. आधुनिक हिन्दी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी 12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद 13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 : विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययनोपरांत स्वतंत्रता से पहले और विशेष तौर पर प्रेमचंद के युग के हिन्दी गद्य के स्वरूप और इसके विभिन्न प्रारूपों तथा इनके महत्व को समझ सके। 2. इकाई 2 : विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययनोपरांत स्वतंत्रता के बाद और विशेष तौर पर प्रेमचंद के युग के बाद के हिन्दी गद्य के स्वरूप और इसके विभिन्न प्रारूपों तथा इनके महत्व को समझ सके। 3. इकाई 3 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण विशेष रूप से स्वतन्त्रता से पहले के दो विशेष गद्य के पाठों का अध्ययन करते हुए इनके ऐतिहासिक महत्त्व को समझ सके। 4. इकाई 4 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण विशेष रूप से स्वतन्त्रता के बाद के दो विशेष गद्य के पाठों का अध्ययन करते हुए इनके ऐतिहासिक महत्त्व को समझ सके।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1-कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

PROGRAMME/CLASS: **स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)**		SEMESTER: **III**
Subject: Hindi		
COURSE CODE: **PG3HIN9SEM4P**		COURSE TITLE: कथेतर गद्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, डायरी, यात्रावृत्त, गद्यकाव्य)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 : संस्मरण और रेखाचित्र विधाओं के गद्य प्रारूप की विशेषताओं व इनमे निहित सृजनात्मकता के तत्त्वों का उद्घाटन करना।
2. इकाई 2 : रिपोर्ताज और डायरी जैसी अल्पचर्चित गद्य विधाओं के भाषाई व साहित्यिक महत्व को चिन्हित करना।
3. इकाई 3 : यात्रा-वृत्तान्त और पत्र – साहित्य के स्वरूप एवं इतिहास और हिन्दी भाषा-साहित्य में इनके स्थान का मूल्यांकन करने में अध्येताओं को समर्थ बनाना।
4. इकाई 4 : गद्य काव्य की परंपरा के उत्स और विकास की दिशा का अवगाहन करना तथ सम्बंधित प्रतिनिधि रचनाकार की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय कराना।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	संस्मरण और रेखाचित्र : स्वरूप एवं विशेषताएं, इतिहास और वर्तमान भक्तिन (संस्मरण) : महादेवी माटी की मूरतें (रेखाचित्र) : रामवृक्ष बेनीपुरी	15
II	रिपोर्ताज और डायरी : स्वरूप एवं विशेषताएं, इतिहास और वर्तमान ऋणजल – धनजल (रिपोर्ताज) : फणीश्वरनाथ रेणु हंसते हुए मेरा अकेलापन (डायरी अंश) : मलयज	15
III	यात्रा वृत्तान्त और पत्र-साहित्य : स्वरूप एवं विशेषताएं, इतिहास और वर्तमान चीड़ों पर चांदनी : (यात्रा वृत्तान्त) : निर्मल वर्मा सुखदेव के नाम पत्र (पत्र-साहित्य) : भगत सिंह	15
IV	गद्यकाव्य : अर्थ, अवधारणा और स्वरूप, इतिहास और वर्तमान हार-जीत (गद्यकाव्य) : अशोक वाजपेयी	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।	

	2. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1, 2) : पं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी। 3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल, प्रयाग। 4. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना। 5. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी। 6. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 7. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद, प्रयाग। 8. आधुनिक हिन्दी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 9. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी 10. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद 11. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 12. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचंद्र तिवारी 13. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं: रामविलास शर्मा 14. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण: रामविलास शर्मा 15. कवि मन: अज्ञेय 16. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा: नंदकिशोर आचार्य 17. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध: महादेवी वर्मा 18. साहित्यिक विधाएं: पुनर्विचार: डा0 हरिमोहन 19. महादेवी वर्मा की विश्वदृष्टि: तोमोको किकुचि, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली 20. महादेवी वर्मा के रेखाचित्र: एक अध्ययन: प्रो0 राठौर, बी0बी0, अमन प्रकाशन, कानपुर 21. हिन्दी का संस्मरण साहित्य: राजरानी शर्मा, 22. लेखन कला: एक परिचय: डा0 मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 23. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन 24. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: डा0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 : विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययनोपरांत संस्मरण और रेखाचित्र विधाओं के गद्य प्रारूप की विशेषताओं व इनमें निहित सृजनात्मकता के तत्त्वों को पहचान सके। 2. इकाई 2 :

	इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी रिपोर्ताज और डायरी जैसी अल्पचर्चित गद्य विधाओं के भाषाई व साहित्यिक महत्व को चिन्हित कर सके। 3. इकाई 3 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण विशेष रूप से यात्रा-वृत्तान्त और पत्र – साहित्य के स्वरूप एवं इसके इतिहास और हिन्दी भाषा-साहित्य में इनके स्थान का मूल्यांकन करने में समर्थ हो सके। 4. इकाई 4 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण विशेष रूप से गद्य काव्य की परंपरा के उत्स और विकास की दिशा का अवगाहन कर सके और पाठ के अध्ययन के जरिये इसकी शक्ति व सीमाओं को मूल्यांकित कर सके।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1-कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: **स्नातकोत्तर (MASTER OF ARTS)**		SEMESTER: **III**

Subject: Hindi

COURSE CODE: **PG3HIN9SEM5P**	COURSE TITLE: हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

1. इकाई 1 :
   भारतीय पत्रकारिता के सामान्य परिचय के साथ-साथ इसके चरणबद्ध विकास के इतिहास को समझना।
2. इकाई 2 :
   हिन्दी पत्रकारिता की अवधारणा और इसकी विकसनशील परम्परा का बोध विकसित करना।
3. इकाई 3 :
   जनसंचार के परम्परागत और अधुनातन माध्यमों से परिचय कराना और हिन्दी भाषा-साहित्य के प्रचार-प्रसार में इनकी भूमिका के महत्व को रेखांकित करना ।
4. इकाई 4 :
   हिन्दी पत्रकारिता के साहित्यिक आयामों और हिन्दी साहित्य के स्वरूप के निर्माण व विकास में कुछ महत्वपूर्ण पत्रिकाओं के योगदान का परिचय ।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 50+50	MIN. PASSING MARKS: 20+20

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय पत्रकारिता का सामान्य परिचय, प्रिंटिंग प्रेस का उदय और पत्रकारिता का विकास	15
II	हिन्दी पत्रकारिता : अवधारणा व स्वरूप, इतिहास और वर्तमान, महत्व, प्रकार	15
III	जनसंचार : अर्थ और अवधारणा, जनसंचार के विविध माध्यम, संभावना और चुनौतियाँ; ई पत्रकारिता: स्वरूप एवं प्रभाव, सोशल मीडिया, सिटिजन पत्रकारिता, ब्लाग पत्रकारिता	15
IV	हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता का सामान्य परिचय, प्रमुख पत्र-पत्रिकाएं (नागरीप्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, मतवाला, सुधा, माधुरी, चाँद, हंस, प्रतीक, वसुधा, आलोचना, समालोचक, नया पथ, कल्पना, धर्मयुग, दस्तावेज, समकालीन भारतीय साहित्य, आजकल)	15
	संदर्भ ग्रन्थ:	

	1. भारतीय पत्रकारिता कोश: खंड 1 व 2, विजयदत्त श्रीधर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास: अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 3. हिन्दी पत्रकारिता: स्वरूप एवं संदर्भ: विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 4. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास: जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 5. हिन्दी पत्रकारिता: कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली 6. साहित्यिक पत्रकारिता: ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 7. समकालीन ववैश्विक पत्रकारिता में अख़बार: प्रांजल धर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 8. हिन्दी पत्रकारिता की शब्द संपदा: डा0 बद्रीनाथ कपूर, डा0 आर0 रत्नेश, डा0 शिवकुमार अवस्थी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 9. हिन्दी पत्रकारिता: विविध आयाम (भाग 1 व 2): सं0 डा0 वेदप्रताप वैदिक, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली 10. बाखबर बेखबर: डा0 मिथिलेश: दिशा इंटरनेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली 11. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता: डा0 अर्जुन तिवारी: जय भारती, इलाहाबाद 12. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी: डा0 चन्द्र कुमार, क्सासिकल पब्लिसिंग कम्पनी, नई दिल्ली - 110015 13. प्रयोजनमूलक हिन्दी: डा0 बालेन्दुशेखर तिवारी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी 14. पारिभाषिक शब्दावलियाँ: कुछ समस्यायें - डा0 भोलानाथ तिवारी, षब्दकार, दिल्ली 15-हिन्दी की कीर्तिशेष पत्र-पत्रिकाएँ: पीतांबरदत्त पीतालिया, राजस्थान ग्रन्थ अकादमी This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 : विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी भारतीय पत्रकारिता के सामान्य परिचय के साथ-साथ इसके चरणबद्ध विकास के इतिहास को समझ सके। 2. इकाई 2 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता की अवधारणा और इसकी विकसनशील परम्परा का बोध विकसित कर सके । 3. इकाई 3 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण जनसंचार के परम्परागत और अधुनातन माध्यमों से परिचित होंगे और हिन्दी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार में इनकी भूमिका के महत्व को जान सके । 4. इकाई 4 : इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण विशेष रूप से हिन्दी पत्रकारिता के साहित्यिक आयामों को जान सके और हिन्दी साहित्य के स्वरूप के निर्माण व विकास में कुछ महत्वपूर्ण पत्रिकाओं के अवदान को चिन्हित कर सके ।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1-कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य

	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	MA II YEAR	SEMESTER: MA IV SEM
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG4HIN10SEM1P	COURSE TITLE: आधुनिक काल: इतिहास और साहित्य (विभिन्न दशकों की कविताएँ, अकविता और उत्तर शती का काव्य)	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   विभिन्न दशकों के काव्य आंदोलनों के बारे में समझ बनेगी और तत्कालीन समाज को समझने में मदद मिलेगी।
2. इकाई 2
   अकविता आन्दोलन की सामाजिक, राजनैतिक तथा संस्कृति पृष्ठभूमि की व्यापक समझ बनेगी।
3. इकाई 3
   तत्कालीन राजनैतिक हालातों को समझने में कविताएँ मददगार सिद्ध होंगी।
4. इकाई 4
   उत्तर शती के काव्य की व्यापक समझ बनेगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	विभिन्न दशकों का काव्य आन्दोलन • इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ	15
II	अकविता आन्दोलन • सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य	15
III	पटकथा : सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' लयबद्ध (हवा में हस्ताक्षर) : कैलाश वाजपेयी	15
IV	उत्तर शती का काव्य आन्दोलन	15

	• सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य	

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1, 2) : पं0 विश्वनाथप्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल, प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्रीकृष्ण लाल, प्र0 हिन्दी परिषद, प्रयाग।
10. आधुनिक हिन्दी कविता: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
11. आधुनिक कविता यात्रा: रामस्वरूप चतुर्वेदी
12. साहित्य और समय - अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
13. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

अध्ययन परिणाम :

1. इकाई 1
   विभिन्न दशकों के काव्य आंदोलनों के बारे में समझ बनेगी और तत्कालीन समाज को समझने में मदद मिली।
2. इकाई 2
   अकविता आन्दोलन की सामाजिक, राजनैतिक तथा संस्कृति पृष्ठभूमि की व्यापक जानकारी प्राप्त हुई।
3. इकाई 3
   तत्कालीन राजनैतिक हालातों को समझने में कविताएँ मददगार सिद्ध हुई।
4. इकाई 4

	उत्तर शती के काव्य की व्यापक समझ विकसित हुई।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	MA II YEAR	SEMESTER: MA IV SEM

Subject: Hindi

COURSE CODE: PG4HIN10SEM2P	COURSE TITLE: हिन्दी आलोचना

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   हिंदी आलोचना के विभिन्न चरणों को समझ बनेगी।
2. इकाई 2
   हिंदी आलोचना के विकास के क्रम को समझने में मदद मिलेगी।
3. इकाई 3
   प्रतिनिधि आलोचकों के आलोचना कर्म की मर्म की समझ बनेगी।
4. इकाई 4
   आलोचक और आलोचना की व्यापक समझ बनेगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी आलोचना I • भारतेंदु युगीन हिन्दी आलोचना • द्विवेदी युगीन हिन्दी आलोचना • शुक्ल युगीन हिंदी आलोचना	15
II	शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना II • सठोतरी आलोचना • नब्बें दशक की आलोचना • 21वीं सदी की आलोचना	15
III	प्रतिनिधि हिन्दी आलोचक I • भारतेंदु	15

	• बालकृष्ण भट्ट • महावीर प्रसाद द्विवेदी • आचार्य रामचंद्र शुक्ल • आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी • नंददुलारे वाजपेयी	
IV	प्रतिनिधि हिन्दी आलोचक II • डॉ. नागेन्द्र • रामविलास शर्मा • नामवर सिंह • हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' • बच्चन सिंह • गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल, प्रयाग This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 हिन्दी आलोचना की व्यापक समझ। 2. इकाई 2 हिन्दी आलोचना की क्रमिक विअस की जानकारी प्राप्त हुई। 3. इकाई 3 आलोचना कर्म की मर्म की पहचान हुई। 4. इकाई 4 आलोचक और आलोचना की व्यापक समझ बनी।	

	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	MA II YEAR	SEMESTER: MA IV SEM

Subject: Hindi

COURSE CODE: PG4HIN10SEM3P	COURSE TITLE: भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   भारतीय साहित्य के व्यापक अध्ययन से भारतीयता के अर्थ को समझने में मदद मिलेगी।
2. इकाई 2
   दक्षिण भारत के साहित्य के माध्यम से उस समाज को समझने में मदद मिलेगी।
3. इकाई 3
   गोरा उपन्यास को पढ़ने के बाद राष्ट्रभावना का संचार होगा।
   खामोश, अदालत जारी है को पढ़ने के बाद आधुनिक जीवन की समस्यायों को समझने में मदद मिलेगी।
4. इकाई 4
   कविता के जरिये समाजिक यथार्थ को समझने में मदद मिलेगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय साहित्य : अर्थ और अवधारणा	15
II	मछुवारे : तकषी शिवशंकर पिल्लै हयवदन : गिरीश कर्नाड	15
III	गोरा : रबिन्द्रनाथ टैगोर खामोश, आदालत जारी है : विजय तेंदुलकर	15
IV	ट्रक डाला में सनातन : प्रसन्न कुमार मिश्र अभिसार : रबिन्द्रनाथ टैगोर सबसे खतरनाक : अवतार सिंह संधू 'पाश'	15

	संदर्भ ग्रन्थ: 1. भारतीय साहित्य, डॉ. नागेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 2. भारतीय साहित्य की भूमिका, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. तुलनात्मक साहित्य, इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिकेशन 4. आज का भारतीय साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली 5. भारतीय साहित्य की अवधारणा, डॉ. शीला मिश्र, मिलिंद प्रकाशन 6. भारतीय साहित्य, डॉ. राम छबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 7. भारतीय साहित्य अध्ययन की दिशाएँ, डॉ. प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन 8. भारतीय साहित्य का भाव संसार, आरसु और डॉ. परिस्मिता बरलै 9. भारतीय साहित्य की पहचान, सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 10. भारतीय साहित्य के अध्ययन की सीमाएँ, प्रो. रोहिताश्व 11. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ, के. सच्चिदानंदन (हिन्दी अनुवाद) 12. भारत और यूरोप, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 13. भारतीय उपन्यास की भूमिका, तक्षशिला प्रकाशन 14. भारतीय उपन्यास साहित्य का उद्भव, आर.एस. सर्राजू, मिलिंद प्रकाशन This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 भारतीय साहित्य के व्यापक अध्ययन से भारतीयता के अर्थ की समझ बनी। 2. इकाई 2 दक्षिण भारत के साहित्य के माध्यम से उस समाज को समझ विकसित हुई। 3. इकाई 3 गोरा उपन्यास को पढ़ने के बाद राष्ट्रभावना का संचार हुआ। खामोश, अदालत जारी है को पढ़ने के बाद आधुनिक जीवन की समस्यायों को समझने में मदद मिली। 4. इकाई 4 कविता के जरिये समाजिक यथार्थ को समझ बनी।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य

	2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	MA II YEAR	SEMESTER: MA IV SEM

Subject: Hindi

COURSE CODE: PG4HIN10SEM4P - A	COURSE TITLE: स्त्री विमर्श

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   स्त्री विमर्श के इतिहास के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
2. इकाई 2
   इस इकाई के अध्ययनोपरांत स्त्री विमर्श की जमीन और उसकी आवश्कता के बारें में व्यापक समझ विकसित होगी।
3. इकाई 3
   स्त्री जीवन की चुनौतियों से विद्यार्थी रु-ब-रु होंगे।
4. इकाई 4
   एक स्त्री की जरूरतों के बारे में व्यापक समझ विकसित होगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	स्त्री विमर्श : अर्थ और अवधारणा	15
II	श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा दिव्या : यशपाल	15
III	अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान शाल्मली : नासिरा शर्मा	15
IV	दुलाईवाली : राजेंद्र बाला घोष मित्रो मरजानी : कृष्णा सोबती	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. श्रृंखला की कड़ियाँ- महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	

	2. उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 3. स्त्री संघर्ष का इतिहास - राधा कुमार प्र0 वाणी प्रकाशन 4. स्त्री विमर्श : विविध पहलू: डॉ0 कल्पना वर्मा, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद 5. स्त्री साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र: सं. अनिरूद्ध कुमार, अनिल कुमार सिंह, अनामिका प0 एंड डि0, नई दिल्ली 6. स्त्री: उपेक्षिता, सीमोन द बोउआ, द हिंद पॉकेट बुक्स, 2002 7. भविश्य का स्त्री विमर्श : ममता कालिया, 8. स्त्री विमर्श का लोकपक्ष: अनामिका 9. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य: क्षमा शर्मा 10. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श: जगदीश्रवर चतुर्वेदी 11. स्त्री संघर्ष का इतिहास: राधा कुमार 12. परिधि पर स्त्री: मृणाल पाण्डेय 13. औरत के हक में : तसलीमा नसरीन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 स्त्री विमर्श के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त हुई। 2. इकाई 2 इस इकाई के अध्ययनोपरांत स्त्री विमर्श की जमीन और उसकी आवश्कता के बारें में व्यापक समझ विकसित हुई। 3. इकाई 3 स्त्री जीवन की चुनौतियों से विद्यार्थी रु-ब-रु हुए। 4. इकाई 4 एक स्त्री की जरूरतों के बारे में व्यापक समझ विकसित हुई।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma

	सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	MA II YEAR	SEMESTER: MA IV SEM

Subject: Hindi

COURSE CODE: PG4HIN10SEM4P - B	COURSE TITLE: दलित विमर्श

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   दलित विमर्श के इतिहास के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
2. इकाई 2
   दलित विचारकों के विचारों से विद्यार्थी खुद को अभिसिंचित कर सकेंगे।
3. इकाई 3
   दलित साहित्य आंदोलनों के बारे में जानकरी प्राप्त होगी।
4. इकाई 4
   दलित घर में जन्म लिए इन्सान की वेदना को विद्यार्थी समझ सकेंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	दलित विमर्श : अर्थ और अवधारणा	15
II	अम्बेडकर और उत्तर अम्बेडकर विचार	15
III	दलित आंदोलन और दलित साहित्य दलित साहित्य और भाषा	15
IV	जूठन : ओमप्रकाश बाल्मीकि मेरा बचपन मेरे कंधो पर : श्यौराज सिंह बेचैन	15

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिंदी दलित साहित्य : संवेदना और विमर्श, पि.एन. सिंह
2. हिंदी उपन्यासों में दलित विमर्श, डॉ. राकेश कुमार राम
3. दलित साहित्य : नई चुनैतियाँ, प्रो. रामशंकर कठेरिया

	4. दलित विमर्श: दशा और दिशा, मुकेश मिरोठा 5. दलित साहित्य और काव्य चिंतन, डॉ. खन्नाप्रसाद अमीन 6. दलित-विमर्श से आलोचना तक, सुरेश चन्द्र 7. मुख्यधारा और दलित साहित्य, ओमप्रकाश बाल्मीकि This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 दलित विमर्श के इतिहास की व्यापक समझ बनी। 2. इकाई 2 दलित विचारकों के विचारों से विद्यार्थी सम्पन्न हुए। 3. इकाई 3 दलित काव्य आन्दोलन के माध्यम से काव्य आन्दोलनों की वैचारिक पृष्ठभूमि से विद्यार्थी परिचित हुए। 4. इकाई 4 विभिन्न दलित रचनाकारों को पढकर विद्यार्थी उसके रचना प्रक्रिया से जुड़ें।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	MA II YEAR	SEMESTER: MA IV SEM
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG4HIN10SEM4P - C	COURSE TITLE: आदिवासी विमर्श	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   भूमंडलीकरण के दौर में जल, जंगल और जमीन तथा विस्थापन की समस्या के बारे में व्यापक समझ बनेगी।
2. इकाई 2
   आदिवासी अस्मिता के बारे में समझ बन सकेगी।
3. इकाई 3
   विभिन्न रचनाकारों की कविताओं से गुजरते हए विद्यार्थी आदिवासी जीवन की मूलभूत आवश्कताओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. इकाई 4
   विभिन्न उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी आदिवासी जीवन की समस्याओं को जान सकेंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	आदिवासी सन्दर्भ उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और आदिवासियों का शोषण, विस्थापन और विलोपन (वैश्विक सन्दर्भ), भारत में आदिवासी प्रश्न और आदिवासियों के आन्दोलन, आदिवासी जन के आधिकारों का संयुक्त राष्ट्रसंघ घोषणा-पत्र, भारत का वन अधिकार कानून	15
II	आदिवासी साहित्य आदिवासी अस्मिता, आदिवासी साहित्य की अवधारणा, औरचर और आदिवासियत (संदर्भ- आदिवासी साहित्य का रांची घोषणा पत्र - 2014) विश्व में आदिवासी साहित्य	15

	के विभिन्न रूप-नेटिव अमेरिकन लिटरेच, कलर्ड लिटरेचर, अफ्रीकन अमेरिकन लिटरेचर, ब्लैक लिटरेचर, एबोरिजिनल लिटरेचर इंडीजीनस लिटरेचर	
III	हिंदी की आदिवासी कविता सूखी नदी/भरी नदी, विरोध, चेतावनी, प्रार्थना, सूर्योदय, झुके स्तन : राम दयाल मुंडा मैंने अपने आँगन में गुलाब लगाए, बाँस, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा : निर्मला पुतुल पत्थलगड़ी, हमारी अर्थी शाही हो नहीं सकती, बहेलिया का खेल : अनुज लुगुन	15
IV	हिन्दी का आदिवासी गद्य अल्मा कबूतरी : मैत्रयी पुष्पा सीता मौसी : रमणिका गुप्ता	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. हिन्दी में आदिवासी साहित्य : इसपाक अली 2. भारतीय आदिवासी : लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा 3. आदिवासी कथा : महाश्वेता देवी 4. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी : रमणिका गुप्ता 5. आदिवासी साहित्य यात्रा : रमणिका गुप्ता 6. भारतीय आदिवासी उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि : ललित प्रसाद विद्यार्थी 7. आदिवासी भाषा और साहित्य : सं. रमणिका गुप्ता 8. आदिवासी संघर्ष गाथा : विनोद कुमार This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 भूमंडलीकरण के दौर में जल, जंगल और जमीन तथा विस्थापन की समस्या के बारे में व्यापक समझ बनी। 2. इकाई 2 आदिवासी अस्मिता के बारे में समझ बनी। 3. इकाई 3	

	विभिन्न रचनाकारों की कविताओं से गुजरते हए विद्यार्थी आदिवासी जीवन की मूलभूत आवश्कताओं की जानकारी प्राप्त किये। 4. इकाई 4 विभिन्न उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी आदिवासी जीवन की समस्याओं को जाने।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	MA II YEAR	SEMESTER: MA IV SEM
Subject: Hindi		
COURSE CODE: PG4HIN10SEM4P - D	COURSE TITLE: तृतीयलिंगी विमर्श (थर्ड जेंडर)	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   लैंगिक विमर्श की अवधारणा की व्यापक समझ बनेगी।
2. इकाई 2
   उपन्यासों के माध्यम से तृतीयलिंगी समाज को समझने में मदद मिलेगी तथा उनकी समस्याओं को समझ सकेंगे।
3. इकाई 3
   आत्मकथाओं के माध्यम से उनके जीवन के बारे में व्यापक समझ बनेगी।
4. इकाई 4
   नाटक के माध्यम से उनके दिनचर्या की समझ बनेगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	लैंगिक विमर्श : अर्थ और अवधारणा लैंगिक विमर्श का इतिहास	15
II	उपन्यास ● तीसरी ताली : प्रदीप सौरभ ● पोस्ट बॉक्स नं. 203 : नाला सोपारा : चित्रा मुद्गल	15
III	आत्मकथा ● मैं लक्ष्मी मैं हिजड़ा : लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ● पुरुष तन में फँसा मेरा नारी मन : मानोबी बंद्योपाध्याय	15
IV	नाटक	15

	• सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक : सुरेन्द्र वर्मा • लल्लन मिस : रमा पाण्डेय	
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. लैंगिक विमर्श और यमदीप, हर्षिता द्विवेदी ; अमन प्रकाशन, कानपुर 2. किन्नर : सेक्स और सामाजिक स्वीकार्यता, प्रियंका नारायण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. क्वीर विमर्श, के. वनजा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. थर्ड जेंडर विमर्श, सं. शरद सिंह, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली 5. हिन्दी साहित्य में किन्नर जीवन, सं. डॉ. दिलीप मेहरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 6. किन्नर गाथा, शीला डागा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 7. किन्नर विमर्श : शिक्षा, समाज और साहित्य , सं. बिन्द कुमार चौहान, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली 8. किन्नर विमर्श : अस्तित्व की तलाश सिमरन, सं. डॉ. राजपाल, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली 9. किन्नर विमर्श : साहित्य और समाज, सं. मिलन बिश्नोई, विद्या प्रकाशन 10. विमर्श का तीसरा पक्ष, सं. डॉ. विजेंद्र प्रताप सिंह, अनंग प्रकाशन, दिल्ली This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 लैंगिक विमर्श के बारे में व्यापक समझ बनी और उसके इतिहास से परिचित हुए। 2. इकाई 2 समाज की मुख्यधारा से दूर के समाज के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। 3. इकाई 3 उनके जीवन में आने वाली चुनौतिओं के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। 4. इकाई 4 उनकी दिनचर्या, रहन-सहन के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	

	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses:		
Further Suggestions:		

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	MA II YEAR	SEMESTER: MA IV SEM

Subject: Hindi

COURSE CODE: PG4HIN10SEM4P - E	COURSE TITLE: डायस्पोरा

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   प्रवासी साहित्य की व्यापक समझ बनेगी।
2. इकाई 2
   प्रवासी साहित्य के समझ उपस्थित चुनौतिओं से आमना-सामना होगा।
3. इकाई 3
   प्रवासी भारतियों की समस्याओं की समझ बनेगी।
4. इकाई 4
   प्रवासी साहित्य की विषय-वस्तु की समझ बनेगी।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	प्रवासी हिंदी साहित्य : अर्थ और अवधारणा	15
II	प्रवासी हिंदी साहित्य अस्मिता की चुनौतियाँ	15
III	देह की कीमत : तेजेंद्र शर्मा इक सफर साथ-साथ : दिव्या माथुर	15
IV	वेस्टइंडीज का साहित्य : सुभाष कुमार प्रवासी पुत्र : डॉ. पद्मेश गुप्त	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. प्रवासी हिंदी साहित्य : स्वरुप और अवधारणा, सं. डॉ. दत्ता कोल्हारे, भावना प्रकाशन 2. प्रवासी लेखन : नयी जमीन , नया आसमान, अनिल जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. हिंदी का प्रवासी साहित्य, कमल किशोर गोयनका, स्वराज प्रकाशन	

	4. प्रवासी साहित्य : एक मूल्यांकन, सं. डॉ. रम्या जी. एस. नायर, विकाश प्रकाशन 5. प्रवासी हिन्दी कथा साहित्य, केदार कुमार मंडल, स्वराज प्रकाशन 6. प्रवासी हिंदी साहित्य और ब्रिटेन, राकेश बी. दुबे, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली 7. प्रवासी हिंदी साहित्य : विविध आयाम, डॉ. रमा, साहित्य संचय प्रकाशन 8. प्रवासी साहित्य का इतिहास : सिद्धांत एवं विवेचन, विकाश प्रकाशन This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 प्रवासी साहित्य की विस्तृत समझ बनी। 2. इकाई 2 प्रवासी साहित्य के समझ उपस्थित चुनौतिओं से भुत कुछ सिखने को मिला। 3. इकाई 3 प्रवासी भारतियों की समस्त समस्याओं की समझ बनी। 4. इकाई 4 प्रवासी साहित्य की विषय-वस्तु की समझ विकसित हुई।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	MA II YEAR	SEMESTER: MA IV SEM

Subject: Hindi

COURSE CODE: PG4HIN10SEM5P	COURSE TITLE: पटकथा और विज्ञापन लेखन

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

1. इकाई 1
   पटकथा लेखन के माध्यम से रोजगार के नये आवसर की तालाश होगी।
2. इकाई 2
   इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी स्क्रिप्ट लेखन कर सकेंगे।
3. इकाई 3
   विज्ञापन के बारे में जानकर उसे अपने जीवन में उतारकर रोजगारुन्मुख होंगे।
4. इकाई 4
   विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन लेखन के तरीके समझ सकेंगे।

CREDITS: 4	MAX MARKS: 50+50	MIN. PASSING MARKS: 20+20

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन, अर्थ, परिभाषा और सामान्य परिचय । पटकथा (स्क्रिप्ट) के तीन अंग- कथा, पटकथा और संवाद। उदाहरण सहित संक्षिप्त जानकारी। तीनों की परस्परावलंबिता और दृश्य-श्रव्य माध्यम में महत्व। पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन की प्रक्रिया । विचार (आइडिया) वन लाइनर या लॉग लाइन – सारांश (शीर्षक, कथावस्तु, पात्रों की सूची ।) प्लॉट बनाना – पात्रों का परिचय और उन्हें स्थापित करना, पात्रों का विकास। ड्राफ्ट बनाना – इनडोर/आउटडोर, समय,स्थान, संवाद, पात्र की क्रिया और प्रतिक्रिया ।	15

II	दृश्य-श्रव्य माध्यम के विभिन्न प्रकारों के लिए स्क्रिप्ट लेखन। (सामान्य दिशा निर्देश) शॉर्ट फिल्म के लिए स्क्रिप्ट लेखन का विशेष परिचय पटकथा के प्रारूप और मुख्य सॉफ्टवेयरों की जानकारी	15
III	● विज्ञापन: अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं। ● विज्ञापन का उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्त्व। ● विज्ञापन और व्यापार का संबंध। ● विज्ञापन का इतिहास और विकास। ● विज्ञापन: कानून और आचार संहिता। ● विज्ञापनों का वर्गीकरण, ● विज्ञापन के प्रमुख अंग और आधारभूत सिद्धान्त। ● विज्ञापन निर्माण की प्रविधि : प्रारूप-निष्पादन, अभिकल्पना (डिजाइन) और अभिविन्यास (ले आउट)। ● विज्ञापन भाषा की विशिष्टताएँ एवं भाषा संरचना।	15
IV	● विज्ञापन के विविध माध्यम ● मुद्रण माध्यम समाचार पत्र, पत्रिकाएं। - ● श्रव्य माध्यम - रेडियो, एफ. एम. रेडियो, मुनादी। ● दृश्य माध्यम - टी.बी., इंटरनेट, मोबाइल, सोशल मीडिया, ई- विज्ञापन। अन्य माध्यम होर्डिंग, पोस्टर, बैनर, पर्चे, स्टीकर, प्रदर्शनी आदि। ● विज्ञापन के नए संदर्भ प्रायोजित कार्यक्रम। ● विज्ञापन का उपभोक्ता बाजार एवं अर्थव्यवस्था पर प्रभाव। ● हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेन्सियों का परिचय। ● हिंदी भाषा के विकास में विज्ञापनों की भूमिका।	15
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन, प्रो. निरंजन सहाय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज 2. जनसंचार माध्यम, NCERT 3. भारतीय विज्ञापन में नैतिकता, मधु अग्रवाल, प्रकाशन संसथान, नई दिल्ली 4. जनसम्पर्क, प्रचार एवं विज्ञापन, डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर 5. विज्ञापन, व्यवसाय एवं कला, डॉ. रामचंद तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली 6. हिंदी विज्ञापनों की भाषा, आशा पाण्डेय, ब्लेकी एंड पब्लिशर्स प्रा. लि., दिल्ली	

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	अध्ययन परिणाम : 1. इकाई 1 पटकथा लेखन ने रोजगार के कई द्वार खोले। 2. इकाई 2 स्क्रिप्ट लेखन से उनके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला। 3. इकाई 3 विज्ञापन से उन्हें खुद को और बेहतर साबित करने का मौका मिला। 4. इकाई 4 विभिन्न जनसंचार माध्यमों के लिए विज्ञापन लिखकर छात्र रोजगार प्राप्त किये।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

पाठ्यक्रम (राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार)

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

PROGRAMME/CLASS:	MA I YEAR or BA IV YEAR	SEMESTER:
Subject: Hindi (Minor) Credit: 4		
COURSE CODE: HMPG01		COURSE TITLE: सोशल मीडिया और हिन्दी
Course Objective: मौजूदा दौर की कल्पना सोशल मीडिया के बिना संभव नहीं। इस पाठ्यक्रम में सोशल मीडिया से सम्बंधित विभिन्न कारकों, प्रवृत्तियों एवं अन्य संदर्भगत मुद्दों का अध्यापन होगा।		
Course Outcomes: सोशल मीडिया की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर लेखन कौशल की अनेक भंगिमाओं/हस्तक्षेप का प्रस्तुतिकरण।		
CREDITS: 4	MAX MARKS: 25+75 = 100	MIN. PASSING MARKS: 10+30
Total No. of Lectures - 60		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	सोशल मीडिया : अवधारणा और उत्पत्ति। ● इतिहास ● कारक – यूजर, अपलोड, डाउनलोड, शेयरिंग, कंटेंट, पोस्ट, कमेंट, सबस्क्राइब	20
II	सोशल मीडिया के स्वरुप एवं प्रकार: ● ट्विटर, ● व्हाटस्एप, ● फेसबुक,	15

	• इन्स्टाग्राम, • विकिपीडिया • ब्लॉग आदि।	
III	सोशल मीडिया का प्रभाव: • सामाजिक, • राजनीतिक, • सांस्कृतिक एवं • शैक्षणिक प्रभाव।	10
IV	सोशल मीडिया • महत्व एवं • दुष्प्रभाव।	05
V	सोशल मीडिया में हिन्दी भाषा का स्वरूप।	10

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. अभिव्यक्ति और माध्यम, एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित कक्ष ग्यारहवीं और बारहवीं के लिए जनसंचार और मीडिया पर सन्दर्भ पुस्तक।
2. संचार के मूल सिद्धान्त, लेखक : ओमप्रकाश सिंह, लोकभारती प्रकाशन।
3. टेलीविजन की भाषा, लेखक : हरिश्चन्द्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन।
4. रेडियो वार्ता शिल्प, लेखक : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन।
5. भारत में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया, लेखक : सन्दीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन।
6. समाचार एवं प्रारूप लेखन, लेखक : डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश कुमार गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन।
7. पत्रकारिता के विविध रूप, लेखक : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन।
8. सोशल नेटवर्किंग : कल और आज, लेखक : राकेश कुमार, रिगी पब्लिकेशन।
9. टीवी समाचार की दुनिया, लेखक : कुमार कौस्तुभ, किताबघर प्रकाशन।
10. मीडिया लेखन और सम्पादन कला (Media Writing and Editing Techniques), लेखक : डॉ. गोविन्द प्रसाद एवं अनुपम पांडे, डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस।
11. नए जन-संचार माध्यम और हिन्दी, सम्पादक: सुधीश पचौरी एवं अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन।
12. Writing For the Media, लेखक : उषा रमन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
13. Understanding Journalism, लेखक : एलएस बर्न्स, विस्तार पब्लिकेशन।
14. Online Journalism; Principles and Practices of News for the Web, लेखक : जेसी फॉस्ट, हेथवे पब्लिशर्स।

15. रेडियो नाटक का पुनर्जन्म, लेखक : अचला शर्मा, http://www.abhivyak- ti-hindi.org/rachanaprasang/radionatak.htm
16. मीडिया समग्र खंड : जगदीश्वर चतुर्वेदी।
17. मीडिया के सामाजिक सरोकार : कालूराम परिहार।
18. सूचना समाज : अर्माण्ड मैलाड
19. सोशल मीडिया : योगेश पटेल।
20. जनसंचार माध्यम और विशेष लेखन : निरंजन सहाय, लोकभारती प्रकाशन